हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, शनिवार, 2 अगस्त, 2025

13 ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के खिलाफ किया प्रदर्शन

14 ओपीएस के लिए काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

खबर संक्षेप

संदिग्ध परिस्थितियों में ट्रैक्टर चालक की मौत

झज्जर। शहर के गुरुग्राम रोड स्थित फ्लाईओवर के नजदीक संदिग्ध हालत में एक ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई। सुबह उसका शव ट्रैक्टर की चालक सीट पर मिला। मृतक की पहचान चरखी दादरी जिले के गांव झौझूकलां निवासी धर्मपाल पुत्र गुलजारी के तौर पर हुई है। धर्मपाल ट्रैक्टर चालक था। वह वीरवार की रात गुरुग्राम से अपने गांव लौट रहा था। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर राहगीरों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया तथा परिजनों को सूचना दी। इसके बाद परिजनों के पहुंचने पर शव का पोस्टमार्टम कराया गया। मामले के जांच अधिकारी सुनील ने बताया कि मृतक के पुत्र दीपक के बयान पर इत्तिफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है।

जहाजगढ़ में महिला ने फंदा लगाकर दी जान

झज्जर। क्षेत्र के गांव जहाजगढ़ में एक महिला ने अज्ञात कारणों से फांसी लगा ली। महिला की पहचान एमपी के पन्ना जिले के बीरा गांव निवासी रजनी पत्नी राजकुमार के तौर पर हुई है। रजनी व उसका पति राजकुमार करीब चार-पांच दिन पहले ही गांव के श्याम मंदिर में रहने के लिए आए थे। राजकुमार ने मंदिर में पुजारी का कार्यभार संभाला था। शुक्रवार की सुबह रजनी ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को फांसी के फंदे से उतरवाकर उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। बाद में परिवार को शव सौंप दिया गया।

साइबर फ्रॉड करने के आरोप में दो गिरफ्तार

झज्जर। पुलिस की एक टीम द्वारा साइबर फ्रॉड करने मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक सोमबीर ने बताया कि बेरी निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके साथ टेलीग्राम एप के माध्यम से करीब 27 लाख रुपये की साइबर ठगी हुई है। शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को पकड़ा गया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान बलविंदर निवासी डबली बॉस पेमा और अरविंद निवासी लौंगवाला जिला हनुमानगढ़ राजस्थान के तौर पर की गई है। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से दोनों आरोपियों को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

बहादुरगढ़ में चोरों के निशाने पर सड़क किनारे खड़ी गाड़ियां

एक कार का शीशा तोड़कर दो लाख व दूसरी से 22 हजार रुपये निकाले

अस्पताल के बाहर कार खड़ी कर अंदर गया था सुमित

बहादुरगढ़। अस्पताल के सामने इस गाड़ी को बनाया गया निशाना।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर में दिल्ली-रोहतक रोड पर एक निजी अस्पताल के सामने सड़क किनारे खड़ी गाड़ी को चोरों ने निशाना बना लिया। पिछला शीशा तोड़कर गाड़ी में रखे दो लाख रुपये चोरी कर लिए गए। पीड़ित ने पुलिस को शिकायत दे दी है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

वारदात दिल्ली के टीकरी कलां के निवासी सुमित के साथ हुई है। जानकारी के अनुसार, सुमित शुक्रवार की दोपहर यहां ब्रह्मशक्ति संजीवनी अस्पताल में आया था। अस्पताल के सामने रोहतक की ओर जाने वाली सड़क किनारे उसने अपनी कार खड़ी की थी। इसी दौरान उसकी गाड़ी को अज्ञात चोर ने निशाना बना लिया। कुछ देर बाद जब वह अस्पताल से निकलकर अपनी कार के पास पहुंचा तो पिछला शीशा टूटा देखकर दंग रह गया। उसने तुरंत कार के अंदर देखा तो उसके दो लाख रुपये भी गायब थे। यह देख उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

सूचना पाकर सेक्टर-9 चौकी से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। वहीं, दूसरी तरफ सेक्टर-9 पुलिस का कहना है कि सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गए थे। एक युवक ने कहा है कि गाड़ी से दो लाख रुपये चोरी हुए हैं। बयान लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। आसपास सीसीटीवी फुटेज चेक की जाएगी। जल्द मामले का खुलासा किया जाएगा।

बैंक अधिकारी की कार से नकदी व दस्तावेज चोरी

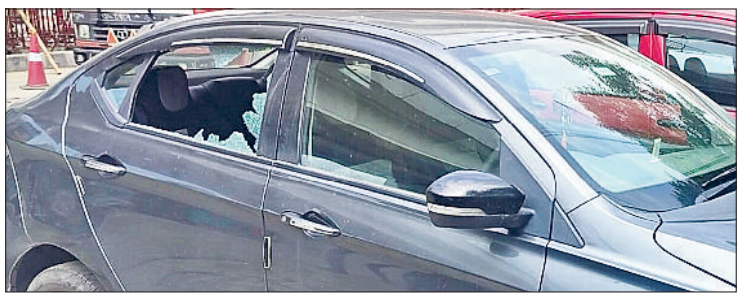

बहादुरगढ़। बैंक के सामने खड़ी गाड़ी का तोड़ा गया शीशा।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर में गाड़ियों के शीशे चटकाकर सामान चोरी करने वाला गिरोह सक्रिय है। आए दिन इस तरह की वारदात हो रही हैं। शुक्रवार को भी दिन दहाड़े रोहतक-दिल्ली रोड पर एक बैंक अधिकारी की गाड़ी का शीशा तोड़कर बैग चुरा लिया गया। बैग में 22 हजार रुपये व अन्य जरूरी दस्तावेज थे। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

वारदात नयागांव के निवासी शमशेर सैनी के साथ हुई है। शमशेर सैनी इंडसइंड की बहादुरगढ़ में दिल्ली-रोहतक रोड पर स्थित शाखा में अधिकारी हैं। रोजमर्रा की तरह वह शुक्रवार को ड्यूटी पर आए थे।

बैग गाड़ी में ही रह गया था

उन्होंने बैंक के सामने ब्रिगेडियर होशियार सिंह स्मारक स्थल के बाहर अपनी गाड़ी खड़ी कर दी। उनका बैग गाड़ी में ही रह गया। कुछ देर बाद उन्हें काम के सिलसिले में कहीं जाना था तो वह बैंक से बाहर गाड़ी के पास आए। देखा तो पिछली सीट का शीशा टूटा हुआ था और गाड़ी में बैग भी नहीं था। बैग में शमशेर और उसके पिताजी के पर्स थे। जिनमें 22 हजार रुपये की नकदी व अन्य जरूरी दस्तावेज थे। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। इस दौरान कुछ दूरी पर हनुमान मंदिर के पास बैग व पर्स तो मिल गए, लेकिन उनमें पैसे नहीं थे, यानी रुपये निकालने के बाद चोर बैग व पर्स वहीं फेंक गया।

एयर टिकट बुक कराने का झांसा देकर ठगे 1.34 लाख

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर में साइबर ठगी का एक और मामला सामने आया है। राम नगर निवासी युवक को ऑनलाइन एयर टिकट बुक कराने के चक्कर में शातिर ठगों ने एक लाख 34 हजार 330 रुपये की चपत लगा दी। पीड़ित की शिकायत पर सिटी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात मनोज के साथ हुई है। बिहार मूल का मनोज यहां राम नगर में रहता है। उसे हाल ही में किसी जरूरी काम से बाहर जाना था, जिसके लिए उसने इंटरनेट पर एयर टिकट बुकिंग का प्रयास किया। इसी दौरान उसकी बातचीत एक विनय नाम के व्यक्ति से हुई। विनय ने टिकट बुक कराने में मदद का झांसा देते हुए उसे रिषभ नाम के युवक का नंबर दिया। रिषभ ने भी मदद का नाटक करते हुए विकास और फिर बॉबी नाम के व्यक्ति का नंबर शेयर किया। मनोज ने जब इनसे संपर्क किया तो सभी ने अलग-अलग बहानों से पैसे मांगे और उसे एक-दूसरे से बात करने को कहते रहे। इसी झांसे में आकर मनोज ने कुल एक लाख 34 हजार 330 रुपये उनके बताए खातों में ट्रांसफर कर दिए।

जब टिकट नहीं मिला और आरोपियों ने रिस्पांस देना बंद कर दिया तो मनोज को ठगी का एहसास हुआ। उसने तुरंत पुलिस को शिकायत दी। सिटी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि ऑनलाइन बुकिंग करते समय केवल आधिकारिक वेबसाइटों या विश्वसनीय ऐप्स का ही उपयोग करें और किसी अनजान नंबर या लिंक पर भरोसा न करें।

ढंग से काम नहीं कर रहा एसटीपी

बहादुरगढ़। नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी के पति रमेश राठी ने छोटूराम नगर स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। उनके अनुसार 18 एमएलडी एसटीपी में कई गंभीर अनियमितताएं देखने को मिलीं। यहां मैन पावर की भारी कमी है। कूड़ा निकालने वाली मशीन पिछले 6 महीने से खराब पड़ी है। मोटर की कैपेसिटी भी कम है। इन कारणों से सीवरेज ट्रीटमेंट प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। इस एसटीपी पर सफाई ढंग से नहीं होने के कारण यमुना का पानी भी गंदा हो रहा है। क्योंकि बिना पानी ट्रीट किए ही यमुना में पहुंचाया जा रहा है। उनके अनुसार मुख्यमंत्री, मंत्री और संबंधित अधिकारियों को शिकायत भेजी जाएगी। इस मौके पर एसआई सुनील हुड्डा, हरिमोहन धाकरे व रोहित भी मौजूद रहे।

आसौदा में मकान से नकदी व आभूषणों की चोरी, केस

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

गांव आसौदा स्थित एक मकान में चोरी की वारदात हो गई। अज्ञात चोर मकान में घुसे और हजारों रुपये की नकदी तथा आभूषणों पर हाथ साफ कर गए। परिवार के लोग जब घर लौटे तो वारदात का पता चला। पीड़ित परिवार की शिकायत पर आसौदा पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात बिजेंद्र के मकान में हुई है। बिजेंद्र का कहना है कि उसकी पत्नी, बच्चों के साथ मायके चली गई थी। गत 30 जुलाई को चंडीगढ़ हाईकोर्ट में उसे कुछ काम था। इसलिए वह चंडीगढ़ चला गया। पीछे से मकान बंद था। इसी दौरान चोरों ने मकान को निशाना बना लिया। देर शाम को जब घर लौटा तो चौबारे में सारा सामान अस्त व्यस्त था। अलमारी का लॉक टूटा हुआ था और बेड का सामान बाहर बिखरा पड़ा था। जांच के दौरान अलमारी से दस हजार रुपये की नकदी, एक जोड़ी सोने के बाले, सोने का ओम नहीं मिले।

चोरों के निशाने पर बंद पड़े मकान

इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पाकर आसौदा थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। बिजेंद्र की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। मामले की तह तक जाने के लिए पुलिस वारदात स्थल के आसपास सीसीटीवी फुटेज चेक करेगी। जल्द से जल्द मामले को सुलझाने की बात कही जा रही है। बता दें कि इलाके में चोरी के मामले बढ़ रहे हैं। मौका मिलते ही चोर बंद मकान को निशाना बना लेते हैं।

ज्वेलरी शॉप पर वारदात करने वाले को तलाश रही पुलिस

बहादुरगढ़। सिटी थाने के नजदीक एक ज्वलैरी शॉप पर लूटपाट की कोशिश करने वाले की तलाश में पुलिस की कई टीमें भागदौड़ कर रही हैं। हालांकि आरोपी का अभी सुराग नहीं लग पाया है लेकिन पुलिस द्वारा जल्द ही उसे गिरफ्तार करने की बात कही जा रही है। दिल्ली-रोहतक रोड स्थित सूरजभान राम निवास ज्वैलरी शॉप पर वीरवार की दोपहर को यह वारदात हुई थी। आभूषण खरीदने के बहाने एक शातिर युवक दुकान में आया। उसने पहले आभूषण देखे और मौका पाकर चाकू तानकर बैग में आभूषण डलवा लिए। इस दौरान दुकान मालिक रामनिवास और कारीगर को चाकू मारने के भी प्रयास किए। भागते वक्त बराही रोड पर हड़बड़ी में उसका बैग छूट गया। जांच अधिकारी पवन कुमार का कहना है कि केस दर्ज किया जा चुका है। जांच चल रही है।

नशे से मुक्ति का बना सहारा

बहादुरगढ़। शहर के सेक्टर-9ए में स्थित पॉलीक्लिनिक में संचालित नशा मुक्ति केंद्र नशे की लत से जूझ रहे मरीजों के लिए अहम सहारा बनकर उभरा है। सीएमओ डॉ. जयमाला के अनुसार यहां प्रत्येक माह नशीली दवाओं के सेवन से ग्रस्त औसतन लगभग 350 मरीजों को उपचार दिया जाता है। जरूरतमंद मरीजों को दीर्घकालिक दवाएं पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं।

हाथों में जूते उठाकर स्कूल जाने को मजबूर विद्यार्थी, ड्रेस भी हो रही खराब

सेक्टर-6 में जल निकासी के पुख्ता बंदोबस्त नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। जलभराव से गुजरकर स्कूल जाते विद्यार्थी।

सेक्टर-6 में जल निकासी के पुख्ता बंदोबस्त नहीं है। बरसात होते ही सेक्टर की सड़कों पर पानी भर जाता है और कई घंटे बीत जाने के बाद भी नहीं निकल पाता। इससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। सबसे ज्यादा दिक्कत उन बच्चों को झेलनी पड़ती है, जिन्हें पढ़ने के लिए यहां मौजूद में राजकीय प्राथमिक पाठशाला में आना होता है। शुक्रवार की सुबह भी पाठशाला के बाहर सड़क पर काफी पानी भरा था। इस कारण बच्चों को नंगे पांव हाथ में जूते उठाकर स्कूल में प्रवेश करना पड़ा। कई बच्चों की ड्रेस बाइक और गाड़ियों के गुजरने से उड़ने वाले पानी की छींटों से खराब तक हो गई। अभिभावकों का कहना है कि बारिश होते ही स्कूल के बाहर जलभराव हो जाता है, जिससे बच्चों का स्कूल आना-जाना किसी चुनौती से कम नहीं होता। बच्चे शिक्षा लेने जाते हैं, लेकिन अव्यवस्था के चलते उन्हें परेशानियों से जूझना पड़ता है। स्थानीय निवासियों ने चिंता जताई कि जिस स्थान पर जलभराव होता है, वहीं सड़क किनारे एक ट्रांसफार्मर भी लगा हुआ है। इस वजह से हादसे की आशंका भी रहती है। प्रशासन की ओर से हर बार बारिश से पहले नालियों की सफाई का दावा किया जाता है।

राधा स्वामी कॉलोनीवासियों को भूकंप सा झटका दे गया नोटिस सर्वे में वैध की गई थी कालोनी, अब एचएसवीपी ने बताया अवैध

डी नोटिफिकेशन का नोटिस मिलने पश्चात चेयरमैन से मिलने नगर परिषद पहुंचे लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

शहर की राधा स्वामी कालोनी को नगर परिषद द्वारा पहले वैध करार दिए जाने के बाद अब हुडा विभाग द्वारा इसे अवैध घोषित किया गया है। इस कारण कालोनीवासियों को अपने घरों के खिलाफ नोटिस मिलने शुरू हो गए हैं।

सप्ताह में जवाब दाखिल करें

नोटिस में यह कहा गया है कि वे एक सप्ताह के अंदर अपना जवाब दाखिल करें, नहीं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यह मामला तब तूल पकड़ गया जब शुक्रवार को कालोनीवासी नगर परिषद कार्यालय पहुंचे और चेयरमैन जिले सिंह सैनी से मिलकर अपनी समस्याओं को साझा किया। कालोनीवासियों ने अपनी पीड़ा बताते हुए कहा कि पहले नगर परिषद द्वारा कालोनी को वैध करार दिया गया था, लेकिन अब हुडा द्वारा इसे अवैध घोषित किया जा रहा है, जो उनके लिए एक बड़ा झटका है। इस पर चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने स्पष्ट किया कि यह मामला अब नगर परिषद के अधिकार क्षेत्र में नहीं है। उन्होंने कहा कि यह मामला हरियाणा विकास प्राधिकरण से संबंधित है और नगर परिषद इस मुद्दे में कोई हस्तक्षेप नहीं कर सकता। इस मौके पर कालोनीवासी पूनम, कविता, सुदेश, वीरेंद्र, राकेश, सतनारायण, जय सिंह, ललित कुमार, सुशीला देवी, प्रेम, मधु देवी, रानी, सावित्री समेत कई लोग उपस्थित रहे। उन्होंने चेयरमैन जिले सिंह सैनी को ज्ञापन सौंपते हुए अपनी परेशानियों का समाधान की अपील की। कालोनीवासियों का कहना है कि यदि जल्द ही इस मुद्दे का समाधान नहीं किया गया तो मुश्किल खड़ी हो जाएगी।

झज्जर। नगर परिषद चेयरमैन के समक्ष अपनी समस्या रखते हुए कालोनीवासी।

झज्जर। परिषद के बाहर एकत्रित राधास्वामी कालोनी वासी।

लोगों ने मुख्यमंत्री से मांगा मिलने का समय

राधा स्वामी कालोनीवासी बिजेंद्र, जयभगवान, मंजीत कुमार, जगमेंद्र, पिंकी आदि ने बताया कि उन्होंने अपनी इस समस्या को लेकर सीएम से मिलने का समय भी मांगा है। उन्होंने सोमवार या मंगलवार को मिलने का समय दिया है। अब कालोनीवासी सोमवार को सीएम से मिलकर उनके समक्ष अपनी समस्या रखेंगे।

नगर परिषद व टाउन प्लानिंग के अधिकारियों ने किया था सर्वे

कालोनी वासियों का कहना है कि उनकी कालोनी को नगर परिषद व टाउन प्लानिंग के अधिकारियों द्वारा सर्वे किए जाने की बाद वैध कालोनियों की सूची में शामिल किया गया था। कालोनी के वैध किए जाने की खबरों व वहां दी जाने वाली मौलिक सुविधाओं की उम्मीद में ही उन्होंने अपने घरों को पक्का किया था। अब हुडा द्वारा डी नोटिफिकेशन के नोटिस के बाद हर कालोनीवासी को भूकंप जैसा झटका लगा है।

किसी ने कर्ज लेकर तो किसी ने पीएफ के रुपयों से बनाया घर

: नगर परिषद कार्यालय परिसर में उपस्थित राधा स्वामी कालोनी निवासी बुजुर्ग सावित्री देवी ने बताया कि बरसात के दिनों में उसका घर टपकने लगता था। अब पैसा-पैसा जोड़ कर अभी मकान का फिर से निर्माण कराया था। ऐसे में उन्हें भूखो मरने की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। रानी देवी, ओमपति, दिव्या आदि ने बताया कि उनके परिवार में कमाने वाला कोई दूसरा नहीं है। दिव्या के अनुसार उसने अपने पति के पीएफ के पैसे से कालोनी पास होने की खबर के बाद मकान बनाया और एक लड़की की शादी की। कुछ दिन पहले जहां उसके दामाद के आकस्मिक निधन के बाद उसकी लड़की अपने घर लौट आई वहीं अब कालोनी खाली करने संबंधी नोटिस का चुका है। इसी प्रकार कालोनीवासी मधु देवी, देवकी आदि की भी यही कहानी है। जिन्हें इस कालोनी में रहते वर्षों बीत चुके हैं। मीना ने बताया कि उसने कालोनी वैध होने के बाद ही कर्जा लेकर यहां प्लाट खरीदा था।

डाबोदा में होटल से 14 घरेलू सिलेंडर बरामद, गैस एजेंसी में करवाए जमा

बहादुरगढ़। बरामद किए गए सिलेंडरों के साथ अधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी रोकने के लिए सीएम फ्लाइंग टीम और खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने संयुक्त रूप से अभियान तेज कर दिया है। इसी कड़ी में शुक्रवार को गांव डाबोदा खुर्द में झज्जर रोड स्थित एक होटल पर छापा मारा गया।

कार्रवाई के दौरान टीम को होटल में 14 घरेलू गैस सिलेंडर मिले, जिनमें से एक सिलेंडर भरा हुआ था जबकि बाकी 13 सिलेंडर खाली पाए गए। जब होटल मालिक से इन सिलेंडरों से जुड़े दस्तावेज मांगे गए तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इंस्पेक्टर राजेश सहगल और इंस्पेक्टर धर्मपाल के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई के दौरान होटल मालिक को फटकार लगाई गई। बरामद सिलेंडर जब्त कर गांव में स्थित एक गैस एजेंसी में जमा करवा दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यवसायिक उपयोग गैरकानूनी है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। यदि 100 किलो से अधिक गैस मिलती है तो केस भी दर्ज करवाया जाएगा। आगे भी इसी तरह का छापेमारी अभियान लगातार जारी रहेगा।

एक स्वस्थ घोड़ा 44 किमी प्रति घंटे की चाल से दौड़ सकता है।

बिल्लियों के हर कान में 32 मांसपेशियां पाई जाती हैं।

इवेंट मैनेजमेंट का कोर्स कर बनाएं अच्छा करियर

नालेज

यंगभूमि डेस्क

इवेंट मैनेजमेंट कोर्स करना व इवेंट मैनेजमेंट के पोस्ट पर चयनित होना हर विद्यार्थी के लिए खुशी का पल माना जाता है। हर विद्यार्थी का करियर में सफल होने का सपना होता है। हर विद्यार्थी जाता है। कि वह आगे बढ़कर एक सफल करियर में प्रवेश करें। विद्यार्थी अपने करियर को सफल बनाने के लिए कई प्रकार की डिग्री व डिप्लोमा का सहारा लेता है। 12वीं कक्षा पास करने के बाद अलग-अलग प्रकार के डिग्री व डिप्लोमा विद्यार्थी के सामने उपलब्ध होते हैं। डिग्री और डिप्लोमा बहुत सारे होते हैं। जिसमें इवेंट मैनेजमेंट कोर्स भी शामिल है। आज के आर्टिकल में हम इस कोर्स की जानकारी देंगे।

इवेंट मैनेजमेंट कोर्स क्या है

किसी भी शादी व पार्टी के लिए इवेंट को मैनेजमेंट करने वाला व्यक्ति इवेंट मैनेजर कहलाता है। इवेंट मैनेजमेंट करने से पहले विद्यार्थी के पास इवेंट मैनेजमेंट कोर्स का सर्टिफिकेट होना अनिवार्य है। इवेंट मैनेजमेंट कोर्स एक प्रकार का डिप्लोमा कोर्स है। जिसे विद्यार्थी 12वीं कक्षा पास करने के पश्चात हासिल कर सकता है। सनातन की डिग्री के साथ साथ भी विद्यार्थी इवेंट मैनेजमेंट कोर्स को कर सकता है और अपने कैरियर को बना सकता है। आज के समय में सबसे लोकप्रिय डिप्लोमा में इवेंट मैनेजमेंट कोर्स भी शामिल है। हर विद्यार्थी इस कोर्स में अधिक रुचि रखता है। इवेंट मैनेजमेंट डिप्लोमा कोर्स 2 वर्षीय डिप्लोमा कोर्स है। जिसको पूरा करने के पश्चात विद्यार्थी को इवेंट मैनेजमेंट का सर्टिफिकेट मिल जाता है।

ऐसे बना सकते हैं करियर

इवेंट मैनेजमेंट डिप्लोमा करने के बाद विद्यार्थी अपना करियर आसानी से बना सकता है। अगर विद्यार्थी को समारोह या किसी भी फंक्शन की प्लानिंग करने में बेहतरीन रुचि है। तो विद्यार्थी को यह डिप्लोमा करके अपने करियर को यहीं पर सफल बना देना है। किसी भी कार्यक्रम का आयोजन होने से पहले कार्यक्रम के आयोजन कर्ता इवेंट मैनेजर से मिलते हैं और इवेंट के बारे में पूरी प्लानिंग करते हैं। ऐसे में यदि आप भी इवेंट मैनेजर बन जाते हैं। तो आप भी अपना कैरियर इस क्षेत्र में सफल कर सकता है। यदि आप भी इवेंट मैनेजर बनने का सपना देख रहे हैं तो आप इवेंट मैनेजमेंट की डिग्री व डिप्लोमा को सबसे पहले कंप्लीट करना होगा। और उसके पश्चात ही आपको इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। हालांकि यहां डिग्री व डिप्लोमा के साथ-साथ आपके माइंड की स्किल बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका रखते हैं।

इन चरणों को फॉलो करना होगा

- सर्वप्रथम विद्यार्थी को 12वीं पास करना होगा।
- 12वीं कक्षा पास करने के पश्चात विद्यार्थी अपने नजदीकी किसी भी इवेंट मैनेजमेंट कोर्स उपलब्ध करवाने वाली कॉलेज में जाकर अपने एडमिशन के लिए एप्लीकेशन जमा कर सकता है।
- जब आप एडमिशन के लिए जाते हैं। तो कई ऐसे कॉलेज मौजूद है, जहां पर आपको एडमिशन से पहले एक एंट्रेंस एग्जाम में शामिल होना होगा।
- एंट्रेंस एग्जाम पास करने के पश्चात ही आप को एडमिशन दिया जाएगा।
- कई ऐसे कॉलेज है, जो आपको 12वीं के अंकों के आधार पर भी एडमिशन उपलब्ध करवा देते हैं।
- अलग-अलग चरणों के माध्यम से एडमिशन मिलने के पश्चात आपको अपने आवेदन फीस के साथ एडमिशन को कंफर्म कर लेना है।
- अब विद्यार्थी को 2 वर्ष के इस डिप्लोमा को पूरा करना है और इवेंट मैनेजमेंट कोर्स का सर्टिफिकेट हासिल करना है।

आगे बढ़ने के ढेर सारे मौके

करियर स्कोप

जब कोई भी विद्यार्थी किसी भी डिग्री व डिप्लोमा कोर्स को पूरा करता है। तो उसके पश्चात विद्यार्थी के दिमाग में एक ही सवाल उत्पन्न होता है कि इस कोर्स को करने के पश्चात मेरे लिए भविष्य में कौन-कौन से करियर के स्कोर पर मौजूद होंगे। इवेंट मैनेजमेंट का कोर्स करने वाले विद्यार्थी को नाम से ही पता चल जाता है, कि करियर के स्कोप के तौर पर उसे इवेंट मैनेजर का काम करना होगा। लेकिन इवेंट मैनेजमेंट डिप्लोमा के पश्चात कौन-कौन से अन्य करियर स्कोप मौजूद होते हैं।

कोर्स फीस : विद्यार्थी किसी भी डिप्लोमा कोर्स या डिग्री लेने से पहले उस कोर्स को करने में कितनी फीस लगेगी इसके बारे में आकलन लगाना पसंद करता है। क्योंकि हर विद्यार्थी अमीर परिवार से नहीं होता है। हर विद्यार्थी अपने अपने स्टैंडर्ड के हिसाब से ही डिग्री और डिप्लोमा लेने के बारे में सोचता है। इस कोर्स को करने के लिए सरकारी कॉलेज में 20000 रुपये तक का प्रतिवर्ष खर्चा आता है तो प्राइवेट कॉलेज में इस डिप्लोमा को करने का 100000 रुपये प्रति वर्ष तक खर्चा आता है और कई ऐसे प्राइवेट कॉलेज है। जहां इससे भी अधिक फीस आपको देनी पड़ती है।

यहां मिलता रोजगार

- शादी
- समारोह
- अवॉर्ड समारोह
- टीवी शो
- म्यूजिक लॉन्च
- म्यूजिक समारोह
- फिल्म अवॉर्ड
- फैशन शो
- थीम पार्टी
- प्रदर्शनी
- कोरपोरेट सेमिनार
- बर्थडे पार्टी समारोह

मिलते बहुत सारे विकल्प

जब विद्यार्थी 12वीं कक्षा पास करके इवेंट मैनेजमेंट कोर्स के लिए आगे बढ़ता है। तो विद्यार्थी के सामने बहुत सारे विकल्प खड़े हो जाते हैं। जिसमें से किसी भी एक कोर्स का चयन करके विद्यार्थी को इवेंट मैनेजमेंट कोर्स को पूरा करना होता है। इवेंट मैनेजमेंट के कौन कौन से कोर्स है।

सर्टिफिकेट कोर्स इन इवेंट मैनेजमेंट
डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट
पीजी डिप्लोमा इन मीडिया एंड इवेंट मैनेजमेंट
बेचलर इन इवेंट मैनेजमेंट, बीएससी इन इवेंट मैनेजमेंट, बीबीए इन इवेंट मैनेजमेंट, बीए इन इवेंट मैनेजमेंट, मास्टर इन इवेंट मैनेजमेंट, एमबीए इन इवेंट मैनेजमेंट

देश की सुरक्षा करने के लिए विशाल सेना की आवश्यकता

इंडियन नेवी में बनाएं करियर, अच्छी सैलरी के साथ-साथ मिलेगा देश सेवा का भी मौका

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

भारत देश अनेक सारे देशों की सीमाओं से सटा हुआ एक विशाल देश है। भारत की सीमाएं तीन से चार दुश्मन देशों से मिलती है। ऐसी स्थिति में देश की सुरक्षा करने के लिए एक विशाल सेना की आवश्यकता होती है। विशाल सेना के अंतर्गत नेवी भी शामिल है। बता देते हैं कि भारत के दक्षिण दिशा में विशालकाय समुद्र है। जहां से देश की सुरक्षा करना बहुत बड़ी चुनौती है और बहुत जरूरी भी है। ऐसी स्थिति में भारतीय नेवी का गठन किया गया है। यह काफी ताकतवर भारतीय सेना है, जो समुद्री मार्ग से आने वाले दुश्मनों का सामना करती है और देश को हमेशा सुरक्षित बनाए रखती है। इंडियन नेवी को हिंदी में नौसेना कहते हैं। यह फौज सामान्य फौज की तुलना में काफी ताकतवर होती है। इनके पास विशालकाय पानी वाले जहाज और पानी में चलने वाले हथियार होते हैं। इसके अलावा इन सैनिकों को पानी में युद्ध करने की पूरी ट्रेनिंग दी जाती है, ताकि कभी भी युद्ध होने पर पानी में भी भारतीय सेना मुकाबला कर सकें। समुद्र में विभिन्न प्रकार के तत्व और तेल पाए जाते हैं। इसीलिए भारतीय सीमा के अंतर्गत आने वाले समुद्र की रक्षा भी इंडियन नेवी द्वारा ही की जाती है। इसके अलावा समुद्री मार्ग से होने वाले राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यापार भी नेवी की नजर से होकर गुजरता है। इंडियन नेवी दुनिया के सबसे ताकतवर नेवी में से एक है। समय-समय पर आपने टेलीविजन पर देखा होगा, कि किस तरह से इंडियन नेवी द्वारा युद्धाभ्यास किया जाता है और सरकार द्वारा भी विभिन्न प्रकार के हथियार इंडियन नेवी को उपलब्ध कराए जाते हैं। हाल ही में विक्रांत नाम का सबसे बड़ा और विशालकाय जहाज इंडियन नेवी को मिला है, जिसे समुद्र में उतार कर युद्ध अभ्यास भी किया जा चुका है। इस तरह के युद्धाभ्यास के बाद दूसरे देशों की सेना भी भारतीय सेना से टकराने के लिए एक हजार बार सोचती है। भारतीय नेवी अफसरों को काफी सम्मान मिलता है। इसीलिए आज के समय के अनेक सारे युवा इंडियन नेवी के तहत जॉब करना चाहते हैं। लेकिन उन्हें इस विषय में कोई जानकारी नहीं है।

भारतीय नौसेना काफी ताकतवर

समुद्री इलाके में तैनाती

समुद्री इलाके में देश की सुरक्षा के लिए नौसेना को तैनात किया जाता है। भारतीय नेवी के पास हर तरह के हथियार और उपकरण है, जिसकी मदद से वह देश की सुरक्षा के साथ किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम है। इंडियन नेवी का सबसे बड़ा अधिकारी नौसेना अध्यक्ष होता है तथा इस सेना की सर्वोच्च कमान भारत के राष्ट्रपति के पास होती हैं। पश्चिमी देशों में प्राचीन काल से ही समुद्री यात्राएं की जाती है। लेकिन भारत में पहले ऐसा नहीं होता था। जब भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने कदम रखें, तो वे समुद्री मार्ग से ही आए थे और उसके बाद समुद्र मार्ग से ही भारत के साथ पश्चिमी देशों में व्यापार शुरू कर लिया और समुद्र के रास्ते से ही सभी तरह के व्यापार किए जाते थे। समुद्र के रास्ते विभिन्न देशों की यात्राएं होती थी। इसीलिए महाराष्ट्र के छत्रपति शिवाजी महाराज ने सन 1674 में अपने शासनकाल में समुद्री सेवा की स्थापना की थी, उसे ही भारतीय इतिहास में इंडियन नेवी स्थापना कहा जाता है।

लंबा इतिहास

भारतीय नौसेना का इतिहास काफी पुराना है। भले ही आज के समय में इंडियन नेवी को अंग्रेजों की देन कहते हैं या अंग्रेजों को ही इंडियन नेवी का श्रेय देते हैं। लेकिन यह पूरी तरह से सही नहीं है क्योंकि छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपने शासनकाल में समुद्री सेना का विस्तार कर दिया था, जिसके बाद आए अंग्रेजों ने अपने हिसाब से उसे विकसित किया और बड़े पैमाने पर फैलाया। यही वजह है कि आज के समय में हमें अक्सर लोगों द्वारा यह सुनने को मिलता है की अंग्रेजी शासन काल के दौरान ही आधुनिक भारत में इंडियन नेवी की स्थापना की गई थी, बल्कि स्थापना की बजाय विकास किया गया था। हिंदी में इंडियन नेवी को भारतीय नौसेना नाम से भी जाना जाता है।

ऐसे बनाएं करियर

- अब तक आप भारतीय नौसेना के बारे में जान चुके हैं और अब भारतीय नौसेना में जाने का मन बना चुके हैं। तो आपको इंडियन नेवी में जाने से पहले विभिन्न प्रकार की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए
- आपको यह पता होना चाहिए की कि आप भारतीय नेवी में जाने लायक है या नहीं क्योंकि यह एक ताकतवर फौज है।
- यहां पर विभिन्न प्रकार की योगिता निर्धारित की गई है। इन योग्यता के आधार पर ही चयन किया जाता है।
- अगर आप नौसेना में करियर बनाना चाहते हैं। तो पहले इसका पूरा गणित समझ लीजिए।

शैक्षणिक योग्यता

- भारतीय नौसेना में यूपीएससी, एनडीए के द्धारा ली जाने वाली परीक्षा के आधार पर ही चयन किया जाता है।
- उम्मीदवार का मान्यता प्राप्त बोर्ड से हाई स्कूल पास आउट होना चाहिए।
- इंटरमीडिएट परीक्षा में अच्छे अंकों के साथ पास करने वाले उम्मीदवार भी इंडियन नेवी के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- अगर आपने कोई अच्छा कंप्यूटर कोर्स किया है, तो आपको इंडियन नेवी में चयनित होने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ेगी।
- अगर आपको टेक्नोलॉजी का ज्ञान है और उसमें रुचि है तो इंडियन नेवी में आपका चयन आसान हो सकता है।
- इंडियन नेवी में आवेदन करने वालों का भारतीय नागरिक होना आवश्यक है।
- इंडियन नेवी में आवेदन करने वालों का शारीरिक और मानसिक रूप से पूर्णता स्वस्थ होना चाहिए।
- भारतीय नौसेना में भर्ती के लिए न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष निर्धारित की गई है।
- इंडियन नेवी में अप्लाई करने वाले कैडिडेट्स के लिए अधिकतम आयु सीमा 25 वर्ष तय की गई है।
- आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का मान्यता प्राप्त 10वीं अथवा 12वीं कक्षा पास होना जरूरी है।
- उम्मीदवार को दसवीं अथवा 12वीं कक्षा में कम से कम 50% अंक प्राप्त करने आवश्यक है।
- आवेदन करने वाले अभ्यर्थी को हिंदी तथा अंग्रेजी दोनों ही भाषाओं का अच्छा ज्ञान होना चाहिए।
- आवेदन करने वाले पुरुष अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम शरीर की लंबाई 157 सेंटीमीटर तय की गई है।
- महिला आवेदकों के लिए शरीर की लंबाई 152 सेंटीमीटर होना जरूरी है।
- पुरुष अभ्यर्थियों के छाती का विस्तारित आकार 5 सेमी होना जरूरी है।
- महिलाओं के लिए इस तरह के छाती के विस्तारित आकार की कोई योग्यता निर्धारित नहीं की गई है।
- इंडियन नेवी के आवेदकों का शारीरिक परीक्षण किया जाता है उसमें पास होना जरूरी है।
- उम्मीदवार अंधा नहीं होना चाहिए, दोनों आंखों से बराबर देखने वाला होना चाहिए।
- उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक रूप से पूर्णतया स्वस्थ होना जरूरी है।

इन प्रोसेस से गुजरना होगा

इंडियन नेवी में भर्ती के लिए तीन प्रक्रिया निर्धारित की गई है। इन तीन प्रक्रियाओं के आधार पर जॉइनिंग की जाती है। वह इस प्रकार है।

लिखित परीक्षा फिटनेस टेस्ट मेडिकल चेकअप

इंडियन नेवी में भर्ती होने के लिए सबसे पहले परीक्षा देनी होता है जिसके लिए लिखित परीक्षा आयोजित करवाई जाती है। इस परीक्षा में पास होना जरूरी है। 12वीं कक्षा पास करने के बाद भी आप नेवी परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस परीक्षा के लिए भी एग्जाम पैटर्न और सिलेबस निर्धारित किया जाता है। अगर आप उसे अच्छी तरह से समझ लेते हैं, तो यह परीक्षा पास करना आपके लिए काफी आसान हो जाता है। बता देते हैं कि इंडियन नेवी में लिखित परीक्षा के तहत फिजिक्स, केमिस्ट्री, सामान्य ज्ञान, मैथ इंग्लिश, रिजनिंग इत्यादि विषय को सिलेबस के तहत निर्धारित किया गया है। इस परीक्षा में 100 अंकों के 100 प्रश्न पूछे जाते हैं तथा यह परीक्षा केवल 60 मिनट में देनी होती है, जो उम्मीदवार इस परीक्षा को पास कर लेते हैं उन्हें फिटनेस टेस्ट के लिए भेज दिया जाता है लेकिन जो फेल हो जाते हैं। उन्हें वापस अपने घर लौटना होता है जो उम्मीदवार दूसरे चरण के फिटनेस परीक्षा भी पास कर लेता है उन्हें तीसरे चरण की मेडिकल परीक्षा के लिए भेज दिया जाता है। यहां पर उम्मीदवार के शरीर का मेडिकल टेस्ट किया जाता है जिसमें यह देखा जाता है कि उम्मीदवार पूरी तरह से मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ है या नहीं। और शरीर के सभी अंग सही ढंग से काम करते हैं या नहीं। इस टेस्ट में पास होने वाले उम्मीदवारों को ट्रेनिंग के लिए भेज दिया जाता है। वे इस परीक्षा में पास हो जाते हैं और ट्रेनिंग के बाद उन्हें जॉइनिंग मिल जाती है।

वर्तमान परिदृश्य में छात्रों के लिए समय का प्रभावी उपयोग करना बेहद जरूरी

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

आज का समय, वह दौर है जो न केवल चुनौतियों से भरा है, बल्कि अनगिनत अवसरों का खजाना भी लेकर आया है। डिजिटल क्रांति, ऑनलाइन शिक्षा का विस्तार, और वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलावों ने छात्रों के लिए नए रास्ते खोले हैं। लेकिन इसके साथ ही, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, भविष्य की अनिश्चितता और पढ़ाई का दबाव भी सामने आया है। ऐसे में, यह समय छात्रों के लिए एक सुनहरा अवसर है कि वे अपनी प्रतिभा को निखारें, अपने सपनों को पंख दें और अपने लक्ष्यों की ओर दृढ़ता से बढ़ें। यह लेख उन सभी छात्रों के लिए है जो इस परिदृश्य को समझकर समय का सर्वोत्तम उपयोग करना चाहते हैं और हर परिस्थिति में प्रेरित रहना चाहते हैं। समय एक ऐसी संपत्ति है जो कभी वापस नहीं आती, और छात्र जीवन वह दौर है जब आप इस संपत्ति को सही दिशा में निवेश करके अपने भविष्य को सुनहरा बना सकते हैं।

डिजिटल युग ने शिक्षा को अधिक सुलभ बनाया

आइए, जानें कि इस समय का प्रभावी उपयोग कैसे करें और प्रेरणा की आग को कैसे जलाए रखें। सबसे पहले, हमें यह समझना होगा कि वर्तमान परिदृश्य को एक चुनौती के बजाय अवसर के रूप में देखना चाहिए। डिजिटल युग ने शिक्षा को पहले से कहीं अधिक सुलभ बना दिया है। यूट्यूब, कोर्सेरा, खान एकेडमी जैसे मंच मुफ्त या किफायती कोर्स प्रदान करते हैं, जिनके माध्यम से आप प्रोग्रामिंग, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस, या कोई अन्य कौशल सीख सकते हैं। ये कौशल न केवल आपके करियर को नई दिशा देंगे, बल्कि आपको आत्मविश्वास भी प्रदान करेंगे। इसके लिए एक लक्ष्य-आधारित योजना बनाना जरूरी है। अपने दीर्घकालिक लक्ष्य को छोटे-छोटे दैनिक लक्ष्यों में तोड़ें। उदाहरण के लिए, यदि आप इंजीनियरिंग या मेडिकल की तैयारी कर रहे हैं, तो रोजाना 1-2 घंटे किसी कठिन विषय को समर्पित करें। एक टाइम-टेबल बनाएँ, जिसमें पढ़ाई, कौशल विकास, और आत्म-देखभाल के लिए समय हो। इस अनुशासित दिनचर्या से आप समय की बर्बादी से बचेंगे और अपने लक्ष्यों के करीब पहुंचेंगे। लेकिन ध्यान रहे, सोशल मीडिया और अनावश्यक स्क्रॉलिंग समय के सबसे बड़े चोर हैं। अपने फोन पर स्क्रीन टाइम लिमिट सेट करें और पढ़ाई के दौरान नोटिफिकेशन बंद रखें। प्रेरणा वह शक्ति है जो आपको कठिनाइयों के बीच भी आगे बढ़ने का हौसला देती है। लेकिन प्रेरणा को बनाए रखना आसान नहीं है, खासकर तब जब असफलताएँ, तनाव, या नकारात्मक विचार आपके रास्ते में आएँ। प्रेरित रहने का पहला कदम है अपने *क्यों* को स्पष्ट करना। आप पढ़ाई क्यों कर रहे हैं? शायद आप अपने परिवार को गर्व महसूस कराना चाहते हैं, या एक बेहतर भविष्य का सपना देखते हैं। इस *क्यों* को एक कागज पर लिखें और अपनी स्टडी टेबल पर चिपकाएँ। यह आपको हर दिन याद दिलाएगा कि आपका लक्ष्य कितना महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, छोटी-छोटी जीत का जश्न मनाएँ। एक कठिन चैप्टर पूरा किया? एक नया कॉन्सेप्ट समझा? खुद को शाबाशी दें यह छोटी जीत आत्मविश्वास की नींव बनाती हैं। प्रेरक स्रोतों से भी जुड़ें। स्वामी विवेकानंद, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जैसे महान व्यक्तियों की जीवनी पढ़ें, प्रेरक पॉडकास्ट सुनें, या यूट्यूब पर प्रेरणादायक वीडियो देखें। स्वामी विवेकानंद का यह कथन हमेशा याद रखें: *उठो, जागो और तब तक नहीं रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।* साथ ही, अपने आसपास सकारात्मक माहौल बनाएँ।

नकारात्मक लोगों से दूरी रखें

नकारात्मक लोगों से दूरी रखें और उन दोस्तों, शिक्षकों, या ऑनलाइन समुदायों से जुड़ें जो आपको प्रोत्साहित करें। चुनौतियां हर किसी के जीवन का हिस्सा हैं, और वर्तमान समय में ये चुनौतियाँ और भी जटिल हो सकती हैं। परीक्षा का दबाव, आर्थिक अनिश्चितता, या भविष्य की चिंता आपको विचलित कर सकती है। लेकिन इनका सामना करने के लिए आपको तनाव प्रबंधन की कला सीखनी होगी। रोजाना 5-10 मिनट ध्यान (मेडिटेशन) करें, गहरी सांस लें, या योग का अभ्यास करें। यह आपके दिमाग को शांत रखेगा और प्रेरणा को बनाए रखेगा। सकारात्मक आत्म-चर्चा भी एक शक्तिशाली हथियार है। मैं यह नहीं कर सकता की जगह कहें, मैं इसे सीख लूंगा। असफलता को डर के रूप में न देखें, बल्कि इसे एक शिक्षक के रूप में अपनाएं। हर असफलता आपको कुछ नया सिखाती है। थॉमस एडिसन ने बल्ब बनाने से पहले 1000 बार असफलता का सामना किया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। आप भी हर बार गिरकर उठने की हिम्मत रखें। इसके अलावा, पढ़ाई के दौरान छोटे-छोटे ब्रेक लें। हर 45 मिनट की पढ़ाई के बाद 5 मिनट का ब्रेक आपके दिमाग को तरोताजा रखेगा। स्वास्थ्य को कभी नजरअंदाज न करें, क्योंकि स्वस्थ शरीर और मन ही प्रेरणा का आधार हैं। रोजाना 20-30 मिनट व्यायाम करें, चाहे वह टहलना हो, योग हो, या कोई खेल। संतुलित आहार लें और पर्याप्त नींद लें। नींद की कमी आपके फोकस और प्रेरणा को कम कर सकती है।

सामान्य ज्ञान

1. इलेक्ट्रॉन के तरंग प्रकृति की खोज किसने की थी
(ए) थॉमसन
(बी) डी ब्रोग्ली
(सी) रदरफोर्ड
(डी) बोहर

2. तत्व के सबसे छोटे भाग को क्या कहते हैं
(ए) परमाणु
(बी) इलेक्ट्रॉन
(सी) न्यूट्रॉन
(डी) प्रोटॉन

3. डॉल्टन के परमाणु सिद्धांत के अनुसार कौन सा सबसे छोटा कण स्वतन्त्र रूप से रह सकता है
(ए) अणु
(बी) परमाणु
(सी) धनायन
(डी) ऋणायन

4. किसी परमाणु का रासायनिक व्यवहार निर्भर करता है, उसके -
(ए) न्यूक्लियस में प्रोटानो की संख्या पर
(बी) न्यूक्लियस में न्युट्रानो की संख्या पर
(सी) न्यूक्लियस के गिर्द घुम रहे इलेक्ट्रॉनो की संख्या पर
(डी) न्यूक्लियस में न्युक्लियनो की संख्या पर

5. द्रव्यमान संख्या' किसका योग है ?
(ए) केवल प्रोटान
(बी) इलेक्ट्रॉन और प्रोटान
(सी) इलेक्ट्रॉन और न्यूट्रान
(डी) प्रोटान और न्यूट्रान

6. किसी परमाणु के द्रव्यमान और द्रव्यमान संख्या के अंतर को कहते हैं
(ए) परमाणु क्रमांक
(बी) परमाणु संख्या
(सी) द्रव्यमान क्षति
(डी) इलेट्रॉनों की संख्या

7. किस न्यूक्लियर कण में कोई द्रव्यमान और आवेश नही होता ,किन्तु प्रचक्रण होता है
(ए) इलेक्ट्रॉन
(बी) प्रोटॉन
(सी) न्यूट्रॉन
(डी) मेसॉन

उत्तर 1.(बी) 2.(ए) 3.(बी) 4.(सी) 5.(डी) 6.(सी) 7.(सी)

मंडल कार्यालय के प्रांगण में काले बिल्ले लगाकर विरोध जताया

ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के खिलाफ किया प्रदर्शन

बहादुरगढ़। मांगों को लेकर प्रदर्शन करते बिजली कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

झज्जर। प्रदर्शन के दौरान आदेशों की प्रतियां जलाते हुए कर्मचारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में शुक्रवार को बिजली कर्मचारियों ने मंडल कार्यालय के प्रांगण में काले बिल्ले लगाकर जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन एचएसईबी वर्कर यूनियन की एड-हॉक कमेटी के आह्वान पर किया गया, जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ उपप्रधान सुमित देसवाल ने की, जबकि मंच संचालन यूनिट सचिव बलवंत यादव ने किया।

प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने सरकार की नीतियों को कर्मचारी विरोधी करार देते हुए जमकर नारेबाजी की। उन्होंने ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी को फील्ड में कार्यरत कर्मचारियों के लिए खतरनाक बताया। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि एक स्थान पर स्थानांतरण होने की स्थिति में कर्मचारियों को स्थानीय लाइन नेटवर्क की जानकारी नहीं होती, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका कई गुणा बढ़ जाती है। उन्होंने इसे कर्मचारियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ बताया। उन्होंने यह भी कहा कि यूपीएस पॉलिसी को जबरन कर्मचारियों पर थोपा जा रहा है, जो अस्वीकार्य है। कर्मचारियों ने सरकार से ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी को तुरंत वापस लेने और वर्ष 2006 के बाद नियुक्त कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने की मांग की। प्रदर्शन में पंकज वशिष्ठ, एएफएम फूलचंद, रोहित गुलिया, राजकुमार, मनजीत, अमित शर्मा, महेश, देवेंद्र, संदीप दलाल, निखिल, जेई अनिल, लोकेश, राजेश, बिजेंद्र, विनोद, संजीव गुलिया सहित अन्य कर्मचारी शामिल थे।

कर्मचारियों ने निगम कार्यालय परिसर में विरोध प्रदर्शन किया

झज्जर। ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में शुक्रवार को एचएसईबी वर्कर्स यूनियन व सबयूनिट कर्मचारियों द्वारा निगम कार्यालय परिसर में विरोध प्रदर्शन किया गया। यूनियन के जिला प्रधान संजीव छिल्लर की अध्यक्षता में आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने कहा कि कई लाइन पर जाने के दौरान कर्मचारी जानकारी के अभाव के दुर्घटना का शिकार हो सकता है। उन्होंने पॉलिसी की प्रतियां जला कर भी विरोध जताया। इस मौके पर राजपाल जेई, सुरेश जेई, बलराम, संदीप, धर्मेंद्र, सुमेर, लवकेश सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

झज्जर। खेल मैदान में शिक्षकों के साथ उपस्थित विजेता खिलाड़ी। फोटो: हरिभूमि

आरईडी स्कूल छुछकवास के विद्यार्थियों ने मातनहेल में आयोजित खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मेडल जीते हैं। अंडर-14 आयु वर्ग में दिशा ने लोंग जंप में प्रथम, बैडमिंटन में वंश और बॉक्सिंग में प्रिंस ने प्रथम तथा कुश्ती में जतिन ने पहला स्थान प्राप्त किया। अंडर-17 आयुवर्ग में लॉग जंप में स्नेहा व बैडमिंटन में गौरव ने प्रथम स्थान हासिल किया। अंडर-19 वर्ग में साक्षी ने 200 मीटर दौड़ में प्रथम व 100 मीटर दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त कर दोहरी सफलता हासिल की। बैडमिंटन में शिवलव, वेद प्रकाश, रोहित, सुनील, जतिन ने शानदार प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त। इसके अलावा अंडर-14 व अंडर-19 आयुवर्ग की फुटबॉल स्पर्धा में टीम ने पहला पुरस्कार जीता। बास्केटबॉल में आदित्य और मनिंद्र ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर जिला स्तरीय प्रतियोगिता में जगह बनाई। बॉक्सिंग में लक्की ने पहला और शॉटपुट में पायल ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। प्राचार्या सरिता मल्हान ने सभी विजेता खिलाड़ियों के उज्वल भविष्य की कामना की।

सार्वजनिक स्थान पर हो भाजपा की बैठक

बहादुरगढ़। पूर्व पार्षद जसबीर सैनी ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली से मुलाकात कर पार्टी की बैठकें निजी कार्यालयों में होने पर आपत्ति दर्ज करवाई। बहादुरगढ़ विधानसभा में नेताओं की गुटबाजी और पार्टी में फूट का भी उल्लेख किया। भाजपा की मीटिंग सार्वजनिक स्थान पर होनी चाहिए। ताकि सभी कार्यकर्ता, पदाधिकारी व नेता एक मंच पर आकर पार्टी को मजबूत करने की रणनीति बना सकें।

नशे के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। रेलवे रोड पर मजदूरों को जागरूक करते इंस्पेक्टर सतीश।

पुलिस ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान के तहत आमजन को साइबर क्राइम, यातायात नियम, नशे के दुष्परिणाम, महिला अपराध, बाल अपराध और डिजिटल स्कैम जैसी गंभीर समस्याओं के प्रति जागरूक किया गया। निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि साइबर ठगी करने वाले अपराधी लोगों को डराकर या लालच देकर उनकी मेहनत की कमाई को ठगने की कोशिश करते हैं। ऐसे मामलों से बचने के लिए सतर्क रहना आवश्यक है। अभियान के दौरान उन्होंने कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों और मजदूरों को भी जागरूक करते हुए कहा कि नशा एक अभिशाप है। मशीनों या अन्य काम करते वक्त इसका सेवन जानलेवा साबित हो सकता है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे खुद भी नशे से दूर रहें और दूसरों को भी इसके दुष्परिणामों के बारे में समझाएं।

जिला पुलिस मे तैनात 70 सिपाही हुए पदोन्नत

झज्जर। जिला पुलिस में तैनात 70 सिपाहियों को पदोन्नति का तोहफा मिला है। पुलिस उपायुक्त जसलीन कौर द्वारा जिला के विभिन्न स्थानों पर तैनात सिपाहियों को मुख्य सिपाही के पद पर पदोन्नत किया गया। उन्होंने पदोन्नत सिपाहियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पदोन्नत हुए सिपाहियों में अनिल कुमार, सोनू, देवेंद्र, तिलकराज, प्रवीन, अजय, रीना, सुनील, मनजीत, गणेश कुमार, प्रदीप, सुनील, वीरेंद्र, अंकित, जितेंद्र, मीना, संजय, बलदेव, नवीन, रीना, कृष्णा, मंजीत विकास, कबुल, सुनील ,रेनू ,रिंकू, नरेंद्र सुमित जगप्रवेश, नरेंद्र, पवन, मनीष, श्रवण, राकेश, दिनेश,रवि ,मेहर सिंह, राजेंद्र, महेंद्र,रमेश ,धर्मेंद्र, नवीन, राकेश, सविता, विजय, कुमार ,नीतू रानी ,नीलम नवीन, सोनू, राकेश आदि लोग शामिल रहे।

जसलीन कौर

मुक्त व्यापार समझौतों का विरोध करेंगे किसान संगठन

बहादुरगढ़। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन भारत सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में किए जा रहे मुक्त व्यापार समझौतों का पुरजोर विरोध करेगा। इसके खिलाफ सभी जिला एवं तहसील मुख्यालयों पर 13 अगस्त को विरोध प्रदर्शन के दौरान मोदी-ट्रंप के पुतले दहन किए जाएंगे। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अनूप सिंह मातनहेल तथा सचिव जयकरण मांडौठी ने बताया कि ट्रंप सरकार दबाव बनाकर कृषि क्षेत्र में भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता करना चाहती है। यदि सरकार इस तरह का समझौता करती है, तो यह समझौता आने वाले समय में भारत के किसानों को उजाड़ कर रख देगा। अगर सरकार डेयरी क्षेत्र में ये समझौते करती है, पशुपालन से जुड़े 8 करोड़ लोग तबाह हो जाएंगे। स्थानीय बाजार भी खत्म हो जाएगा। समझौतों का पूरे देश में किसान विरोध कर रहे हैं। संगठन के कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर इसकी जानकारी देंगे। साथ ही 13 अगस्त को सभी तहसील और जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन करते हुए ट्रंप और मोदी सरकार के पुतले फूंकेंगे। साथ ही स्मार्ट मीटर योजना और 10 साल पुराने ट्रैक्टरों पर प्रतिबंध लगाने का भी विरोध किया जाएगा।

झज्जर। पौधरोपण करते हुए प्राचार्य दलबीर सिंह एवं अन्य स्टॉफ सदस्य। फोटो :हरिभूमि

नेहरू कॉलेज ने नशा मुक्ति अभियान के तहत जौंधी गांव लिया गोद

झज्जर। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के अंतर्गत प्रेरणादायक पहल करते हुए शुक्रवार को एक पेड़-नशा मुक्त घर के नाम थीम पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पर्यावरण संरक्षण और नशा मुक्ति को जोड़कर प्रभावशाली संदेश दिया गया। प्राचार्य दलबीर सिंह ने पौधरोपण करते हुए कहा कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। यदि हम सच में समाज को स्वस्थ और सशक्त बनाना चाहते हैं तो इसकी शुरुआत हमें स्वयं से करनी होगी। एक पेड़ रोपना केवल हरियाली नहीं अपितु एक नई सोच बोने जैसा है। उन्होंने बताया कि कॉलेज ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के तहत गांव जौंधी को नशा मुक्त अभियान के तहत गोद लिया है। इस पहल का उद्देश्य न केवल जागरूकता फैलाना है बल्कि गांव में सक्रिय रूप से ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों के साथ मिलकर अभियान को धरातल पर उतारना है। उन्होंने जौंधी गांव के सरपंच अनिल कुमार से मुलाकात कर इस अभियान को लेकर संवाद किया और गांव को पूर्णतः नशा मुक्त बनाने के लिए हरसंभव शैक्षणिक, नैतिक एवं व्यवहारिक सहयोग देने का आश्वासन दिया।

पुलिस लाइन परिसर में जवानों ने लगाए पौधे

झज्जर। शुक्रवार को पुलिस लाइन परिसर में इंस्पेक्टर बिजेंद्र सिंह ने अपने सहकर्मियों के साथ पौधरोपण किया। वृक्ष हमारे जीवन का मूल आधार हैं। वे न केवल हमें शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि भूमि की उर्वरता बनाए रखने, तापमान नियंत्रण और वर्षा चक्र को संतुलित करने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। वृक्ष हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं। जिससे तनाव कम होता है और स्वास्थ्य बेहतर होता है। पेड़ मिट्टी में नमी बनाए रखते हैं और जलधाराओं को पुनः भरते हैं। जिससे जल संरक्षण होता है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण से निपटने का सबसे प्रभावी माध्यम वृक्षारोपण है।

पेड़-पौधे हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान का अभिन्न अंग : महंत राजेंद्र दास

झज्जर। स्वामी नितानंद चिकित्सालय संस्थान परिसर में फलदार बगीची एवं छायादार पेड़-पौधों का रोपण किया जा रहा है। जटेला धाम के महंत राजेंद्र दास ने कहा कि पेड़-पौधों और वनस्पति की हरियाली से संस्थान की छटा और अधिक निखरेगी। भवन और ढांचागत सुविधाओं से कहीं अधिक ये पेड़-पौधे आयुर्वेदिक चिकित्सा में उपयोगी सिद्ध होंगे। यह ऑक्सीवन की तरह कार्य करेंगे और आयुर्विज्ञान संस्थान को एक विशेष ऑक्सीजन जोन में परिवर्तित कर देंगे, जिससे रोगियों को प्राकृतिक ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। पेड़-पौधे हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान का अभिन्न अंग रहे हैं। इस मौके पर अभियान के समन्वयक मास्टर आशीष, सतवीर, पूर्व सरपंच बलवान, सुनील कुमार, करतार सिंह, भूपेंद्र सिंह, प्रवीण स्वामी, मिंटू, सरूप, दर्शन, विजय, कृष्ण सरपंच बिगोवा आदि मौजूद रहे।

झज्जर। वृक्षारोपण अभियान के दौरान श्रद्धालुओं के साथ उपस्थित महंत राजेंद्र दास। फोटो :हरिभूमि

एसएमओ ने त्रिवेणी लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बेरी। क्षेत्र के गांव डीघल सीएचसी में एसएमओ डॉक्टर नरेश कुमार ने पेड़ों से वायु और वायु से आयु के संदेश के साथ पौधरोपण किया। ग्लोबल वार्मिंग तथा बढ़ते प्रदूषण सरीखी समस्याओं से निपटने के लिए ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण की जरूरत है। इसके लिए हर व्यक्ति को पौधारोपण का संकल्प लेना चाहिए। पौधा लगाने तक ही स्वयं को सीमित न रखें, अपितु पौधे का पूर्ण पोषण भी करें। एकजुट प्रयासों से ही पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलेगी। पौधारोपण करने का यह सबसे अच्छा समय है। इस दौरान डॉक्टर तरुण कुमार, डॉक्टर संगीता रानी, पूनम एएनएम, शकुंतला देवी, मालती, राजबीर, पवन, भूप सिंह सहित स्टॉफ के अन्य सदस्यों ने भी पौधारपण किया।

सूचना

हम, आनन्द कुमार, विनोद कुमार पुत्र तुहीराम निवासी गांव सराय औरंगाबाद, तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हाल आबाद मकान नंबर 90/18, किला मौहल्ला, बहादुरगढ़, जिला झज्जर बयान करते हैं कि हमारा भाई संजीव कुमार व उसकी पत्नी मीना हमारे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये हमने उनसे अपने तमाम संबंध समाप्त कर रखे है। जो भी व्यक्ति इनके साथ किसी प्रकार का कोई लेन-देन करेगा उसका वह स्वयं जिम्मेवार होगा।

कार्यालय नगर परिषद बहादुरगढ़।
नोटिस आम जनता

सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि श्रीमति रजनी देवी (पत्नी) शैली कागरा (पुत्री) पत्नी/पुत्री श्री रमेश चन्द निवासी आर्य नगर द्वारा Online NDC Portal पर Property ID No 3B09F6N6 वार्ड नं 13 कॉलोनी आर्य नगर जो कि नगर परिषद बहादुरगढ़ में नाम का कॉलम रिक्त है में नाम दर्ज व वर्ग गज 200 से 200 वर्ग गज करवाने हेतु Online Application No. 0186771657 द्वारा अप्लाई किया है।

अतः आम व खास को इस नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पति न० 3B09F6N6 वार्ड नं 13 कॉलोनी आर्य नगर पर यदि कोई अन्य हकदार है या उक्त सम्पति पर किसी को कोई आपत्ति है तो वह सबूतो सहित इस नोटिस के प्रकाशन के 30 दिन के अंदर अंदर नगर परिषद बहादुरगढ़ कार्यालय में आकर अपना दावा पेश करें। अन्यथा इस नोटिस का समय समाप्त होने पर यह सम्पति न० 200 वर्ग गज प्रार्थी श्रीमति रजनी देवी (पत्नी) शैली कागरा (पुत्री) पत्नी/पुत्री श्री रमेश चन्द के नाम से नगर परिषद बहादुरगढ़ के रिकार्ड में दर्ज कर दी जायेगी जिसमे नगर परिषद बहादुरगढ़ कि कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

कार्यकारी अधिकारी, नगर परिषद बहादुरगढ़।

सार्वजनिक सूचना

न्यायालय सहायक कलैक्टर, प्रथम श्रेणी, बादली
केस नं० : 238/T, तिथि दायरा : 21.12.2022
तिथि पेशी : 06.08.25, मौजा : गुभाना
तह. : बादली, जिला : झज्जर
मंजीत पुत्र मांगे राम पुत्र सुभराम निवासी गाँव गुभाना, तहसील बाटली, जिला झज्जर, हरियाणा। ...प्रार्थी

बनाम

1. नरेश पुत्र जयनारायण पुत्र नत्थू, 2. राजबीर पुत्र जयनारायण पुत्र नत्थू, 3. राजवंती विधवा सुरेश कुमार पुत्र जयनारायण, 4. श्रीमती कमला पत्नी नरेश पुत्र जयनारायण, 5. श्रीमती प्रमिला पत्नी राजवीर पुत्र जयनारायण, 6. यहमेर पुत्र भगवाना पुत्र माडू, 7. जगबीर सिंह पुत्र राहमेर पुत्र भगवाना, 8. मनीश पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना, 9. जयबीर पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना, 10. जयपाल सिंह औमप्रकाश पुत्र भगवाना, 11. उदयवीर पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना, 12. कृष्ण कुमार पुत्र ओमप्रकाश पुत्र भगवाना, 13. श्रीकृष्ण पुत्र रामफल पुत्र नत्थू, 14. जितेंद्र पुत्र रामफल पुत्र नत्थू, 15. हरीन्द्र पुत्र रामफल पुत्र नत्थू, 16. पुनम पुत्री सुरेश कुमार जयनारायण, 17. सोनू पुत्र सुरेश कुमार जयनारायण, 18. रामफल पुत्र नत्थू पुत्र हुकमी, 19. शिव कुमार पुत्र ज्ञानचंद पुत्र गंगा सहाय, 20. देवेंद्र पुत्र हरी कृष्ण पुत्र लखीराम, सभी निवासीगण गाँव गुभाना, तहसील बादली, जिला झज्जर, हरियाणा। ...उत्तरवादीगण

दरखास्त तकसीम बाबत भुमि खेवट नं. 231/192, खतौनी न० 236 मौजा गुभाना जमाबंदी साल 2020-2021, तहसील बादली व जिला झज्जर।

सर्व साधारण को इस विज्ञापन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि "मंजीत बनाम नरेश आदि" निवासीगण गांव गुभाना, तहसील बादली, जिला झज्जर आधीन राजस्व अधिनियम मौजा गुभाना दरखास्त तकसीम बाबत भूमि के लिए इस न्यायालय में विचाराधीन है। इस विज्ञापन प्रकाशन के माध्यम से उत्तरवादीगण व उनके कानूनी वारसान की तलबी की जाती है और उत्तरवादीगण व उनके कानूनी वारसान को हिदायत दी जाती है कि वह निश्चित तिथि 06.08.2025 को निम्न हस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित होकर अपना जवाब / उजर के लिए असालतन / वकालतान पेश होवे अन्यथा आपके विरूध यकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। यह समन / विज्ञापन आज दिनांक 02-07-2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर लगाकर जारी किया गया है।

हस्ता/- सहायक कलैक्टर, प्रथम श्रेणी, बादली

सार्वजनिक सूचना

न्यायालय सहायक कलैक्टर, प्रथम श्रेणी, बादली
केस नं० 243/T तिथि दायरा 21-12-2022 तिथि पेशी 6/8/25 मौजा गुभाना तह० बादली जिला झज्जर
मंजीत पुत्र मांगे राम पुत्र सुभराम निवासी गाँव गुभाना, तहसील बादली, जिला झज्जर, हरियाणा। ...प्रार्थी

बनाम

1. नरेश पुत्र जयनारायण पुत्र नत्थू 2. श्रीकृष्ण पुत्र रामफल पुत्र नत्थू 3. सतीश पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना 4. जयवीर पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना 5. जयपाल सिंह औमप्रकाश पुत्र भगवाना 6. उदयवीर पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना 7. कृष्ण कुमार पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना 8. राहमेर पुत्र भगवाना पुत्र माडू 9. प्रमिला पत्नी जगबीर सिंह पुत्र राहमेर 10. जितेंद्र पुत्र रामफल पुत्र नत्थू 11. हरीन्द्र पुत्र रामफल पुत्र नत्थू 12. राजबीर पुत्र जयनारायण पुत्र नत्थू 13. रामफल पुत्र नत्थू पुत्र हुकमी 14. शिव कुमार पुत्र ज्ञानचंद पुत्र गंगा सहाय 15. श्रीमती कमला पत्नी नरेश पुत्र जयनारायण 16. श्रीमती प्रमिला पत्नी राजबीर पुत्र जयनारायण 17. जगबीर सिंह पुत्र राहमेर पुत्र भगवाना सभी निवासीगण गाँव गुभाना, तहसील बादली, जिला झज्जर, हरियाणा। ......उत्तरवादीगण

दरखास्त तकसीम बाबत भूमि खेवट नं० 235/196, खतौनी न० 240 मौजा गुभाना जमाबंदी साल 2020-2021, तहसील बादली व जिला झज्जर।

सर्व साधारण को इस विज्ञापन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि "मंजीत बनाम नरेश आदि" निवासीगण गांव गुभाना, तहसील बादली, जिला झज्जर आधीन राजस्व अधिनियम मौजा गुभाना दरखास्त तकसीम बाबत भूमि के लिए इस न्यायालय में विचाराधीन है। इस विज्ञापन प्रकाशन के माध्यम से उत्तरवादीगण व उनके कानूनी वारसान की तलबी की जाती है और उत्तरवादीगण व उनके कानूनी वारसान को निम्न हस्ताक्षरी के न्यायालय में को हिदायत दी जाती है कि वह निश्चित तिथि 6/8/25 को निम्न हस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित होकर अपना जवाब/उजर के लिए असालतन / वकालतान पेश होवे अन्यथा आपके विरूध यकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। यह समन/विज्ञापन आज दिनांक 02-07-2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर लगाकर जारी किया गया है।

हस्ता/-सहायक कलैक्टर, प्रथम श्रेणी, बादली

सार्वजनिक सूचना

न्यायालय सहायक कलैक्टर, प्रथम श्रेणी, बादली
केस नं० 241/T तिथि दायरा 21-12-2022 तिथि पेशी 6/8/25 मौजा गुभाना तह० बादली जिला झज्जर
मंजीत पुत्र मांगे राम पुत्र सुभराम निवासी गाँव गुभाना, तहसील बादली, जिला झज्जर, हरियाणा। ...प्रार्थी

बनाम

1. नरेश पुत्र जयनारायण पुत्र नत्थू 2. राजबीर पुत्र जयनारायण पुत्र नत्थू 3. श्रीमती संतोष पत्नी महाबीर पुत्र लखीराम 4. श्रीमती प्रमिला पत्नी राजबीर पुत्र जयनारायण 5. राहमेर पुत्र भगवाना पुत्र माडू 6. जगबीर सिंह पुत्र राहमेर पुत्र भगवाना 7. सतीश पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना 8. जयवीर पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना 9. जयपाल सिंह औमप्रकाश पुत्र भगवाना 10. उदयवीर पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना 11. कृष्ण कुमार पुत्र ओमप्रकाश पुत्र भगवाना 12. श्रीकृष्ण पुत्र रामफल पुत्र नत्थू 13. जितेंद्र पुत्र रामफल पुत्र नत्थू 14. हरीन्द्र पुत्र रामफल पुत्र नत्थू 15. पुनम पुत्री सुरेश कुमार जयनारायण 16. सोनू पुत्र सुरेश कुमार जयनारायण 17. रामफल पुत्र नत्थू पुत्र हुकमी 18. शिव कुमार पुत्र ज्ञानचंद पुत्र गंगा सहाय 19. राजवंती विधवा सुरेश कुमार पुत्र जयनारायण सभी निवासीगण गाँव गुभाना, तहसील बादली, जिला झज्जर, हरियाणा। ......उत्तरवादीगण

दरखास्त तकसीम बाबत भूमि खेवट नं० 237/198, खतौनी न० 242 मौजा गुभाना जमाबंदी साल 2020-2021, तहसील बादली व जिला झज्जर।

सर्व साधारण को इस विज्ञापन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि "मंजीत बनाम नरेश आदि" निवासीगण गांव गुभाना, तहसील बादली, जिला झज्जर आधीन राजस्व अधिनियम मौजा गुभाना दरखास्त तकसीम बाबत भूमि के लिए इस न्यायालय में विचाराधीन है। इस विज्ञापन प्रकाशन के माध्यम से उत्तरवादीगण व उनके कानूनी वारसान की तलबी की जाती है और उत्तरवादीगण व उनके कानूनी वारसान को निम्न हस्ताक्षरी के न्यायालय में को हिदायत दी जाती है कि वह निश्चित तिथि 6/8/25 को निम्न हस्ताक्षरी के कार्यालय में उपस्थित होकर अपना जवाब उजर के लिए असालतन / वकालतान पेश होवे अन्यथा आपके विरूध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। यह समन/विज्ञापन आज दिनांक 02-07-2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर लगाकर जारी किया गया है।

हस्ता/-सहायक कलैक्टर, प्रथम श्रेणी, बादली

सार्वजनिक सूचना

न्यायालय सहायक कलैक्टर, प्रथम श्रेणी, बादली
केस नं० : 245/T, तिथि दायरा : 21.12.2022
तिथि पेशी : 06.08.25, मौजा : गुभाना
तह. : बादली, जिला : झज्जर
मंजीत पुत्र मांगे राम पुत्र सुभराम निवासी गाँव गुभाना, तहसील बादली, जिला झज्जर, हरियाणा। ...प्रार्थी

बनाम

1. नरेश पुत्र जयनारायण पुत्र नत्थू, 2. राजबीर पुत्र जयनारायण पुत्र नत्थू, 3. राजवंती विधवा सुरेश कुमार पुत्र जयनारायण, 4. श्रीमती सावत्री पत्नी रमेश पुत्र, 5. श्रीमती मीरा कुमारी पत्नी रणजीत प्रसाद पुत्र, 6. श्रीमती रूबी देवी पत्नी दीपक कुमार पुत्र, 7. श्रीमती सुनीता पत्नी नरेंद्र पुत्र, 8. नरेंद्र कुमार पुत्र शंकर प्रसाद पुत्र देवी प्रसाद, 9. श्रीमती प्रतिमा देवी पत्नी मनोज कुमार पुत्र, 10. श्रीमती गीता देवी पत्नी इंद्रदेव पुत्र, 11. सोमित पुत्र गोपाल पुत्र श्रीनाथ, 12. राम प्रवेश पुत्र शिवाजी पुत्र केशवर, 13. श्रीकृष्ण पुत्र रामफल पुत्र नत्थू, 14. श्रीमती मंजु देवी पत्नी सुरेश, कुमार पुत्र जगनाथ, 15. शोशाक सिंह पुत्र गेगेश बहादुर सिंह पुत्र अदयपाल सिंह, 16. संदीप कुमार पुत्र राजमोहन पुत्र ईश्वरी, 17. श्रीमती सुशीला पत्नी डी किशन पुत्र, 18. श्रीमती सुरेखा पत्नी रामु पुत्र, 19. श्रीमती निशा देवी पत्नी सज्जन सिंह पुत्र, 20. चेतुराम पुत्र राम समुज पुत्र, 21. मनीष कुमार पुत्र गौरी शंकर पुत्र, 22. श्रीमती प्रियंका पत्नी अनिल कुमार पुत्र, 23. नागेंद्र ठाकुर पुत्र राम अजान ठाकुर पुत्र, 24. जितेंद्र पुत्र रामफल पुत्र नत्थू, 25. राकेश कुमार पुत्र रामबहादुर पुत्र, 26. अनिल कुमार पुत्र बिशम्बर पुत्र, 27. राकेश कुमार पुत्र राम आधार गुप्ता पुत्र, 28. श्रीमती तीर्थ देवी पत्नी मिश्रीलाल पुत्र, 29. श्रीमती शीला देवी पत्नी शिवचरण पुत्र, 30. श्रीमती विधा वती पत्नी रामकुमार पुत्र नंदलाल, 31. श्रीमती नुरजंहा पत्नी सममुद्दीन पुत्र अहमद, 32. श्रीमती सुनीता देवी पत्नी मुरली मनोहर पुत्र, 33. श्रीमती दर्शना देवी पुत्र सोमबीर पुत्र होशयार सिंह, 34. राशिम शाह पत्नी मनोज कुमार शाह पुत्र, 35. हरीन्द्र पुत्र रामफल पुत्र नत्थू, 36. सुमन पत्नी सुधांशु पुत्र, 37. श्रीमती कमला पत्नी नरेश पुत्र जयनारायण, 38. श्रीमती प्रमिला पत्नी राजबीर पुत्र जयनारायण, 39. राहमेर पुत्र भगवाना पुत्र माडू, 40. जगबीर सिंह पुत्र राहमेर पुत्र भगवाना, 41. सतीश पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना, 42. जयवीर पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना, 43. जयपाल सिंह औमप्रकाश पुत्र भगवाना, 44. उदयवीर पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना, 45. कृष्ण कुमार पुत्र ओमप्रकाश पुत्र भगवाना, 46. पुनम पुत्री सुरेश कुमार पुत्र जयनारायण, 47. सुरेश कुमार पुत्र चन्द्र सिंह पुत्र रामपत, 48. सोनू पुत्र सुरेश कुमार पुत्र जयनारायण, 49. रामफल पुत्र नत्थू पुत्र हुकमी, 50. शिव कुमार पुत्र ज्ञानचंद पुत्र गंगा सहाय, 51. सुमन पत्नी जगवीर पुत्र बलवान, सभी निवासीगण गाँव गुभाना, तहसील बादली, जिला झज्जर, हरियाणा। ...उत्तरवादीगण

दरखास्त तकसीम बाबत भूमि खेवट नं० 233/194, खतौनी न० 238 मौजा गुभाना जमाबंदी साल 2020-2021, तहसील बादली व जिला झज्जर।

सर्व साधारण को इस विज्ञापन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि "मंजीत बनाम नरेश आदि" निवासीगण गांव गुभाना, तहसील बादली, जिला झज्जर आधीन राजस्व अधिनियम मौजा गुभाना दरखास्त तकसीम बाबत भूमि के लिए इस न्यायालय में विचाराधीन है। इस विज्ञापन प्रकाशन के माध्यम से उत्तरवादीगण व उनके कानूनी वारसान की तलबी की जाती है और उत्तरवादीगण व उनके कानूनी वारसान को हिदायत दी जाती है कि वह निश्चित तिथि 06/08/25 को निम्न हस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित होकर अपना जवाब / उजर के लिए असालतन / वकालतान पेश होवे अन्यथा आपके विरूध यकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। यह समन / विज्ञापन आज दिनांक 02-07-2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर लगाकर जारी किया गया है।

हस्ता/- सहायक कलैक्टर, प्रथम श्रेणी, बादली

सार्वजनिक सूचना

न्यायालय सहायक कलैक्टर, प्रथम श्रेणी, बादली
केस नं० 240/T तिथि दायरा 21-12-2022 तिथि पेशी 6/8/25 मौजा गुभाना तह० बादली जिला झज्जर
मंजीत पुत्र मांगे राम पुत्र सुभराम निवासी गाँव गुभाना, तहसील बादली, जिला झज्जर, हरियाणा। ...प्रार्थी

बनाम

1. नरेश पुत्र जयनारायण पुत्र नत्थू 2. राजबीर पुत्र जयनारायण पुत्र नत्थू 3. श्रीमती कमला पत्नी नरेश पुत्र जयनारायण 4. श्रीमती संतोष पत्नी महाबीर पुत्र लखीराम 5. श्रीमती प्रमिला पत्नी राजबीर पुत्र जयनारायण 6. राहमेर पुत्र भगवाना पुत्र माडू 7. जगबीर सिंह पुत्र राहमेर पुत्र भगवाना 8. सतीश पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना 9. जयवीर पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना 10. जयपाल सिंह औमप्रकाश पुत्र भगवाना 11. उदयवीर पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना 12. कृष्ण कुमार पुत्र ओमप्रकाश पुत्र भगवाना 13. श्रीकृष्ण पुत्र रामफल पुत्र नत्थू 14. जितेंद्र पुत्र रामफल पुत्र नत्थू 15. हरीन्द्र पुत्र रामफल पुत्र नत्थू 16. पुनम पुत्री सुरेश कुमार जयनारायण 17. सोनू पुत्र सुरेश कुमार जयनारायण 18. रामफल पुत्र नत्थू पुत्र हुकमी 19. शिव कुमार पुत्र ज्ञानचंद पुत्र गंगा सहाय 20. राजवंती विधवा सुरेश कुमार पुत्र जयनारायण सभी निवासीगण गाँव गुभाना, तहसील बादली, जिला झज्जर, हरियाणा। ......उत्तरवादीगण

दरखास्त तकसीम बाबत भूमि खेवट नं० 236/197, खतौनी न० 241 मौजा गुभाना जमाबंदी साल 2020-2021, तहसील बादली व जिला झज्जर।

सर्व साधारण को इस विज्ञापन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि "मंजीत बनाम नरेश आदि" निवासीगण गांव गुभाना, तहसील बादली, जिला झज्जर आधीन राजस्व अधिनियम मौजा गुभाना दरखास्त तकसीम बाबत भूमि के लिए इस न्यायालय में विचाराधीन है। इस विज्ञापन प्रकाशन के माध्यम से उत्तरवादीगण व उनके कानूनी वारसान की तलबी की जाती है और उत्तरवादीगण व उनके कानूनी वारसान को हिदायत दी जाती है कि वह निश्चित तिथि 6/8/25. को निम्न हस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित होकर अपना जवाब उजर के लिए असालतन / वकालतान पेश होवे अन्यथा आपके विरूध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी। यह समन / विज्ञापन आज दिनांक 02-07-2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर लगाकर जारी किया गया है।

हस्ता/-सहायक कलैक्टर, प्रथम श्रेणी, बादली

सार्वजनिक सूचना

न्यायालय सहायक कलैक्टर, प्रथम श्रेणी, बादली
केस नं० : 244/T, तिथि दायरा : 21.12.2022
तिथि पेशी : 06.08.25, मौजा : गुभाना
तह. : बादली, जिला : झज्जर
मंजीत पुत्र मांगे राम पुत्र सुभराम निवासी गाँव गुभाना, तहसील बादली, जिला झज्जर, हरियाणा। ...प्रार्थी

बनाम

1. पुनम पुत्री सुरेश कुमार पुत्र जयनारायण, 2. सोनू पुत्र सुरेश कुमार पुत्र जयनारायण, 3. श्रीमती रूबी देवी पत्नी दीपक कुमार पुत्र, 4. अनिल पुत्र अशोक पुत्र भीम सिंह, 5. श्रीमती पुनम पत्नी श्री कृष्ण पुत्र रिसाल सिंह, 6. श्रीमती संतोष पत्नी दयानन्द पुत्र पहलाद सिंह, 7. श्रीमती सुनीता पत्नी नरेंद्र पुत्र, 8. नरेंद्र कुमार पुत्र शंकर प्रसाद पुत्र देवी प्रसाद, 9. श्रीमती प्रतिमा देवी पत्नी मनोज कुमार पुत्र, 10. श्रीमती गीता देवी पत्नी इंद्रदेव पुत्र, 11. सोमित पुत्र गोपाल पुत्र श्रीनाथ, 12. राम प्रवेश पुत्र शिवाजी पुत्र केशवर, 13. रामफल पुत्र नत्थू पुत्र हुकमी, 14. श्रीमती मंजु देवी पत्नी सुरेश कुमार पुत्र जगनाथ, 15. शोशाक सिंह पुत्र गेगेश बहादुर सिंह पुत्र अदयपाल सिंह, 16. संदीप कुमार पुत्र राजमोहन पुत्र ईश्वरी, 17. श्रीमती सुशीला पत्नी डी किशन पुत्र, 18. श्रीमती सुरेखा पत्नी रामु पुत्र, 19. श्रीमती निशा देवी पत्नी सज्जन सिंह पुत्र, 20. चेतुराम पुत्र राम समुज पुत्र, 21. मनीष कुमार पुत्र गौरी शंकर पुत्र, 22. श्रीमती प्रियंका पत्नी अनिल कुमार पुत्र, 23. नागेंद्र ठाकुर पुत्र राम अजान ठाकुर पुत्र, 24. शिव कुमार पुत्र ज्ञानचंद पुत्र गंगा सहाय, 25. राकेश कुमार पुत्र रामबहादुर पुत्र, 26. अनिल कुमार पुत्र बिशम्बर पुत्र, 27. राकेश कुमार पुत्र राम आधार गुप्ता पुत्र, 28. श्रीमती तीर्थ देवी पत्नी मिश्रीलाल पुत्र, 29. श्रीमती शीला देवी पत्नी शिवचरण पुत्र, 30. श्रीमती विधा वती पत्नी रामकुमार पुत्र नंदलाल, 31. श्रीमती नुरजंहा पत्नी सममुद्दीन पुत्र अहमद, 32. श्रीमती सुनीता देवी पत्नी मुरली मनोहर पुत्र, 33. श्रीमती दर्शना देवी पुत्र सोमबीर पुत्र होशयार सिंह, 34. राशिम शाह पत्नी मनोज कुमार शाह पुत्र, 35. देवेंद्र पुत्र हरी कृष्ण पुत्र लखीराम, 36. सुमन पत्नी सुधांशु पुत्र, 37. श्रीमती प्रमिला पत्नी राजबीर पुत्र जयनारायण, 38. राहमेर पुत्र भगवाना पुत्र माडू, 39. जगबीर सिंह पुत्र राहमेर पुत्र भगवाना, 40. सतीश पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना, 41. जयवीर पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना, 42. जयपाल सिंह औमप्रकाश पुत्र भगवाना, 43. उदयवीर पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना, 44. कृष्ण कुमार पुत्र ओमप्रकाश पुत्र भगवाना, 45. नरेश पुत्र जयनारायण पुत्र नत्थू, 46. सुरेश कुमार पुत्र चन्द्र सिंह पुत्र रामपत, 47. राजबीर पुत्र जयनारायण पुत्र नत्थू, 48. श्रीमती शकुन्तला पत्नी प्रह्लाद पुत्र निहाल सिंह, 49. श्रीमती सावत्री पत्नी रमेश पुत्र, 50. श्रीमती मीरा कुमारी पत्नी रणजीत प्रसाद पुत्र, सभी निवासीगण गाँव गुभाना, तहसील बादली, जिला झज्जर, हरियाणा। ....उत्तरवादीगण

दरखास्त तकसीम बाबत भूमि खेवट नं० 234/195, खतौनी न० 239 मौजा गुभाना जमाबंदी साल 2020-2021, तहसील बादली व जिला झज्जर।

सर्व साधारण को इस विज्ञापन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि "मंजीत बनाम नरेश आदि" निवासीगण गांव गुभाना, तहसील बादली, जिला झज्जर आधीन राजस्व अधिनियम मौजा गुभाना दरखास्त तकसीम बाबत भूमि के लिए इस न्यायालय में विचाराधीन है। इस विज्ञापन प्रकाशन के माध्यम से उत्तरवादीगण व उनके कानूनी वारसान की तलबी की जाती है और उत्तरवादीगण व उनके कानूनी वारसान को हिदायत दी जाती है कि वह निश्चित तिथि 6/8/25 को निम्न हस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित होकर अपना जवाब / उजर के लिए असालतन / वकालतान पेश होवे अन्यथा आपके विरूध यकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। यह समन / विज्ञापन आज दिनांक 02-07-2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर लगाकर जारी किया गया है।

हस्ता/- सहायक कलैक्टर, प्रथम श्रेणी, बादली

सार्वजनिक सूचना

न्यायालय सहायक कलैक्टर, प्रथम श्रेणी, बादली
केस नं० : 239/T, तिथि दायरा : 21.12.2022
तिथि पेशी : 06.08.25, मौजा : गुभाना
तह. : बादली, जिला : झज्जर
मंजीत पुत्र मांगे राम पुत्र सुभराम निवासी गाँव गुभाना, तहसील बादली, जिला झज्जर, हरियाणा। ... प्रार्थी

बनाम

1. नरेश पुत्र जयनारायण पुत्र नत्थू, 2. राजबीर पुत्र जयनारायण पुत्र नत्थू, 3. जगबीर सिंह पुत्र राहमेर पुत्र भगवाना, 4. सतीश पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना, 5. जयवीर पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना, 6. जयपाल सिंह औमप्रकाश पुत्र भगवाना, 7. उदयवीर पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना, 8. कृष्ण कुमार पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना, 9. कुलदीप कुमार पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना, 10. श्री कृष्ण पुत्र रामफल पुत्र नत्थू, 11. जितेंद्र पुत्र रामफल पुत्र नत्थू, 12. हरीन्द्र पुत्र रामफल पुत्र नत्थू, 13. रामफल पुत्र नत्थू पुत्र हुकमी, 14. शिव कुमार पुत्र ज्ञानचंद पुत्र गंगा सहाय, 15. श्रीमती कमला पत्नी नरेश पुत्र जयनारायण, 16. श्रीमती प्रमिला पत्नी राजबीर पुत्र जयनारायण, 17. राहमेर पुत्र भगवाना पुत्र माडू, सभी निवासीगण गाँव गुभाना, तहसील बादली, जिला झज्जर, हरियाणा। ...उत्तरवादीगण

दरखास्त तकसीम बाबत भूमि खेवट नं० 230/191, खतौनी न० 235 मौजा गुभाना जमाबंदी साल 2020-2021, तहसील बादली व जिला झज्जर।

सर्व साधारण को इस विज्ञापन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि "मंजीत बनाम नरेश आदि" निवासीगण गांव गुभाना, तहसील बादली, जिला झज्जर आधीन राजस्व अधिनियम मौजा गुभाना दरखास्त तकसीम बाबत भूमि के लिए इस न्यायालय में विचाराधीन है। इस विज्ञापन प्रकाशन के माध्यम से उत्तरवादीगण व उनके कानूनी वारसान की तलबी की जाती है और उत्तरवादीगण व उनके कानूनी वारसान को हिदायत दी जाती है कि वह निश्चित तिथि 06.08.25 को निम्न हस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित होकर अपना जवाब / उजर के लिए असालतन / वकालतान पेश होवे अन्यथा आपके विरूध यकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। यह समन / विज्ञापन आज दिनांक 02-07-2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर लगाकर जारी किया गया है।

हस्ता/- सहायक कलैक्टर, प्रथम श्रेणी, बादली

सार्वजनिक सूचना

न्यायालय सहायक कलैक्टर, प्रथम श्रेणी, बादली
केस नं० 242/T तिथि दायरा 21-12-2022 तिथि पेशी 6/8/25 मौजा गुभाना तह० बादली जिला झज्जर
मंजीत पुत्र मांगे राम पुत्र सुभराम निवासी गाँव गुभाना, तहसील बादली, जिला झज्जर, हरियाणा। ...प्रार्थी

बनाम

1. नरेश पुत्र जयनारायण पुत्र नत्थू 2. राजबीर पुत्र जयनारायण पुत्र नत्थू 3. श्रीमती मीरा कुमारी पत्नी रणजीत प्रसाद पुत्र 4. श्रीमती रूबी देवी पत्नी दीपक कुमार पुत्र 5. श्रीमती सरोज पत्नी बुधराम पुत्र 6. श्रीमती सुनीता पत्नी नरेंद्र पुत्र 7. नरेंद्र कुमार पुत्र शंकर प्रसाद पुत्र देवी प्रसाद 8. श्रीमती प्रतिमा देवी पत्नी मनोज कुमार पुत्र 9. श्रीमती गीता देवी पत्नी इंद्रदेव पुत्र 10. सोमित पुत्र गोपाल पुत्र श्रीनाथ 11. राम प्रवेश पुत्र शिवाजी पुत्र केशवर 12. श्रीमती मंजु देवी पत्नी सुरेश कुमार पुत्र जगनाथ 13. पुनम पुत्री सुरेश कुमार जयनारायण 14. शोशाक सिंह पुत्र गेगेश बहादुर सिंह पुत्र अदयपाल सिंह 15. संदीप कुमार पुत्र राजमोहन पुत्र ईश्वरी 16. श्रीमती सुशीला पत्नी डी किशन मुत्र 17. श्रीमती सुरेखा पत्नी रामु पुत्र 18. श्रीमती निशा देवी पत्नी सज्जन सिंह पुत्र 19. चेतुरान पुत्र राम समुज पुत्र 20. मनीष कुमार पुत्र गौरी शंकर पुत्र 21. श्रीमती प्रियंका पत्नी अनिल कुमार पुत्र 22. नागेंद्र ठाकुर पुत्र राम अजान ठाकुर पुत्र 23. राकेश कुमार पुत्र रामबहादुर पुत्र 24. सोनू पुत्र सुरेश कुमार जयनारायण 25. अनिल कुमार पुत्र बिशम्बर पुत्र 26. राकेश कुमार पुत्र राम आधार गुप्ता पुत्र 27. श्रीमती तीर्थ देवी पत्नी मिश्रीलाल पुत्र 28. श्रीमती शीला देवी पत्नी शिवचरण पुत्र 29. श्रीमती विधा वती पत्नी रामकुमार पुत्र नंदलाल 30. श्रीमती नुरजंहा पत्नी सममुद्दीन पुत्र अहमद 31. श्रीमती सुनीता देवी पत्नी मुरली मनोहर पुत्र 32. श्रीमती दर्शना देवी पुत्र सोमबीर पुत्र होशयार सिंह 33. राशिम शाह पत्नी मनोज कुमार शाह पुत्र 34. सुमन पत्नी सुधांशु पुत्र 35. रामफल पुत्र नत्थू पुत्र हुकमी 36. श्रीमती कमला पत्नी नरेश पुत्र जयनारायण 37. श्रीमती प्रमिला पत्नी राजबीर पुत्र जयनारायण 38. राहमेर पुत्र भगवाना पुत्र माडू 39. जगबीर सिंह पुत्र राहमेर पुत्र भगवाना 40. सतीश पुत्र ओमप्रकाश पुत्र भगवाना 41. जयवीर पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना 42. जयपाल सिंह औमप्रकाश पुत्र भगवाना 43. उदयवीर पुत्र औमप्रकाश पुत्र भगवाना 44. कृष्ण कुमार पुत्र ओमप्रकाश पुत्र भगवाना 45. शिव कुमार पुत्र ज्ञानचंद पुत्र गंगा सहाय 46. देवेंद्र पुत्र हरी कृष्ण पुत्र लखीराम 47. राजवंती विधवा सुरेश कुमार पुत्र जयनारायण 48. श्रीमती शकुन्तला पत्नी प्रह्लाद पुत्र निहाल सिंह 49. श्रीमती सावत्री पत्नी रमेश पुत्र सभी निवासीगण गाँव गुभाना, तहसील बादली, जिला झज्जर, हरियाणा। ......उत्तरवादीगण

दरखास्त तकसीम बाबत भूमि खेवट नं० 232/193, खतौनी न० 237 मौजा गुभाना जमाबंदी साल 2020-2021, तहसील बादली व जिला झज्जर।

सर्व साधारण को इस विज्ञापन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि "मंजीत बनाम नरेश आदि" निवासीगण गांव गुभाना, तहसील बादली, जिला झज्जर आधीन राजस्व अधिनियम मौजा गुभाना दरखास्त तकसीम बाबत भूमि के लिए इस न्यायालय में विचाराधीन है। इस विज्ञापन प्रकाशन के माध्यम से उत्तरवादीगण व उनके कानूनी वारसान की तलबी की जाती है और उत्तरवादीगण व उनके कानूनी वारसान को हिदायत दी जाती है कि वह निश्चित तिथि 6/8/25. को निम्न हस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित होकर अपना जवाब उजर के लिए असालतन / वकालतान पेश होवे अन्यथा आपके विरूध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। यह समन / विज्ञापन आज दिनांक 02-07-2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर लगाकर जारी किया गया है।

हस्ता/-सहायक कलैक्टर, प्रथम श्रेणी, बादली

खबर संक्षेप

आर्य समाज का मासिक वैदिक यज्ञ कार्यक्रम कल

झज्जर। आर्य समाज द्वारा रविवार को मासिक वैदिक यज्ञ एवं सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। आर्य समाज के महामंत्री लाला प्रकाशवीर आर्य ने बताया कि कार्यक्रम के पहले चरण में यज्ञ ब्रह्मा ब्रह्मचारी इंद्रजीत द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण कर यज्ञ कराया जाएगा। कार्यक्रम के दूसरे चरण में वैदिक सत्संग व प्रवचन होंगे, जिसमें नेहरू कॉलेज के रिटायर्ड प्रिंसिपल होशियार सिंह यादव मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत करेंगे। इसी दौरान वैदिक भजनोपदेशिका आचार्या अरविंद गार्गी अपने मधुर भजनों की प्रस्तुति भी देंगी।

किसान लें कृषि विभाग के वैज्ञानिकों की सलाह

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से किसानों को गुलाबी सुंडी के संभावित प्रकोप से बचाव के लिए सतर्क किया गया है। उन्होंने बताया कि अगस्त माह में गुलाबी सुंडी के प्रकोप की संभावना अधिक रहती है, इसलिए कपास की फसल की नियमित निगरानी और सावधानी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि गुलाबी सुंडी के प्रकोप से बचने के लिए किसान कृषि विभाग के वैज्ञानिकों की सलाह लें।

250 गांवों में पानी की जांच करेगी मोबाइल वैन

झज्जर। पेयजल की शुद्धता सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता है। जिसके मद्देनजर ही वॉटर टेस्टिंग लैब वैन गांव गांव जाकर पानी की जांच करेगी। यह बात जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के मुख्य अभियंता राजेश बंसल ने झज्जर सर्किल कार्यालय में वॉटर टेस्टिंग लैब वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के दौरान उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग का कर्तव्य है कि प्रत्येक उपभोक्ता को शुद्ध एवं गुणवत्ता पूर्ण पेयजल उपलब्ध कराया जाएं। इसके लिए विभाग के कर्मचारी व अधिकारी कर्तव्य निष्ठा से कार्य कर रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद भी पेयजल की शुद्धता एवं गुणवत्ता की समय समय पर जांच आवश्यक है इसके लिए वाटर टेस्टिंग लैब वैन की अवधारणा को शुरू किया गया है।

हर घर-हर गृहिणी योजना के लिए पंजीकरण करें

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि गर्भवती महिलाओं के पोषण स्तर को बेहतर बनाने और सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना लगातार लाभकारी सिद्ध हो रही है। योजना के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार अपनाने में सहायता के लिए आर्थिक मदद प्रदान की जाती है। यह योजना गर्भवती महिला एवं शिशु के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

समाधान शिविर में प्राप्त हुई 4673 शिकायतें

झज्जर। शुक्रवार को सीएम कार्यालय द्वारा आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में जिले की इस उपलब्धि की सराहना की गई। बैठक के दौरान एडीसी जगनिवास ने समाधान शिविरों में अब तक प्राप्त शिकायतों की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक कुल 4673 शिकायतें प्राप्त हो चुकी हैं, जिनमें से केवल 103 शिकायतें लंबित हैं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर दिए निर्देश

झज्जर। स्वतंत्रता दिवस समारोह को देशभक्ति व राष्ट्र प्रेम की भावना के साथ मनाने के लिए शुक्रवार को जिला सचिवालय सभागार में अधिकारियों की बैठक लेते हुए डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी कार्यक्रम देशभक्ति व राष्ट्र प्रेम की भावना से ओतप्रोत होने के साथ-साथ प्रेरणादायक एवं शिक्षाप्रद हों। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के तहत आवश्यक व्यवस्थाएं समन्वय से पूर्ण करते हुए स्वास्थ्य मानकों की पालना सुनिश्चित करते हुए पूरी की जाएं। जिला मुख्यालय सहित उपमंडल बहादुरगढ़, बेरी व बादली में भी स्वतंत्रता दिवस समारोह भव्य तरीके से मनाया जाएगा।

जिला प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

पुरानी पेंशन योजना की बहाली को लेकर कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

झज्जर। लघुसचिवालय परिसर में विरोध प्रदर्शन करते हुए कर्मचारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की मांग को लेकर शुक्रवार को विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए जिला प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा। दोपहर बाद करीब तीन बजे विभिन्न कर्मचारी संगठनों के कर्मचारी सर्व कर्मचारी संघ के बैनर तले एकत्रित हुए इसके बाद वे सरकार विरोधी नारे लगाते हुए लघु सचिवालय के प्रवेश स्थल तक पहुंचे। यहां उन्होंने प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर संयुक्त संघर्ष समिति पेंशन बहाली के साथ डॉक्टर पुष्पेंद्र कादियान, जिला अध्यापक पेंशन बहाली संघर्ष समिति के साथ नवबहार यादव, कुलदीप नेहरा, महिला विंग से पूनम कुमारी, सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान रामवीर, रिटायर्ड कर्मचारी संघ से देवेंद्र यादव, मास्टर रमेश जाखड़ सेवानिवृत्त कर्मचारी, विष्णु दत्त जांगड़ा, देवेंद्र सिंह बिजली बोर्ड, अफलातून , राजवीर खटक, नरेश मास्टर, विजेंद्र सैनी, रवींद्र दलाल सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

यूपीएस के विरोध में किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज. झज्जर

झज्जर। यूपीएस के विरोध में काले कपड़े पहन कर प्रदर्शन करते हुए प्राध्यापक।

ऑल हरियाणा गवर्नमेंट कॉलेज टीचर एसोसिएशन के बैनर तले राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय की स्थानीय इकाई ने हरियाणा में लागू होने वाली यूनिफाइड पेंशन स्कीम के विरोध में काले कपड़े पहन कर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। पेंशन बहाली संघर्ष समिति के राज्य कार्यकारी सदस्य पुष्पेंद्र कादियान और स्थानीय इकाई के महासचिव प्रदीप यादव ने बताया कि पूरे देश के कर्मचारी लंबे समय से पुरानी पेंशन बहाली की मांग के लिए आंदोलनरत हैं। नई पेंशन स्कीम पूरी तरह बाजार के जोखिमों पर आधारित है और कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद किसी प्रकार की वित्तीय एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान नहीं करती। उन्होंने कहा कि कर्मचारी लंबे समय से सरकार से पुरानी पेंशन बहाली की मांग करते आ रहे हैं। जिसके लिए समय-समय पर आंदोलन भी किए गए हैं। अब सरकार ने यूपीएस लागू कर दी है, जो वास्तव में नई पेंशन स्कीम से भी अधिक घातक सिद्ध होने वाली है। जहां एक तरफ पुरानी पेंशन स्कीम में कर्मचारी की सैलरी से कोई अंशदान नहीं कटता तथा रिटायरमेंट के बाद ग्रेच्युटी और चिकित्सा प्रतिपूर्ति का प्रावधान है, वहीं दूसरी तरफ यूनिफाइड पेंशन स्कीम में हर महीने कर्मचारियों की सैलरी से दस प्रतिशत कटौती की जाती है और रिटायरमेंट के बाद ग्रेच्युटी और चिकित्सा प्रतिपूर्ति का भी कोई प्रावधान नहीं रखा गया है। उन्होंने कहा कि यूनिफाइड पेंशन स्कीम कभी भी कर्मचारियों की मांग नहीं रही। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लगभग 30 लाख केंद्रीय कर्मचारियों में से सिर्फ 1.37 प्रतिशत कर्मचारियों ने ही अब तक यूपीएस को अपनाया है। प्रदेश में आज से लागू होने वाले यूपीएस के विरोध में सभी विभागों के कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्यालय में काले कपड़े पहन कर विरोध प्रदर्शन किया है।

बहादुरगढ़। मातन स्कूल में काली पट्टी बांधकर विरोध जताते शिक्षक।

ओपीएस के लिए काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

■ शिक्षकों ने पुरानी पेंशन व्यवस्था को बहाल करने की पुरजोर मांग की।

शुक्रवार को प्रदेश के शिक्षकों समेत तमाम विभागों के कर्मचारियों ने हाथ पर काली पट्टी बांधकर एनपीएस और यूपीएस का विरोध किया। शिक्षकों ने पुरानी पेंशन व्यवस्था को बहाल करने की पुरजोर मांग की। शिक्षकों ने कहा कि सरकार देश-प्रदेश में करोड़ों शिक्षक, कर्मचारी, अधिकारी और अर्धसैनिकों के लिए पुरानी पेंशन बहाली को प्रतिष्ठा का विषय नहीं बनाए।

हरियाणा प्रदेश के सभी कर्मचारियों की भांति बहादुरगढ़ में भी यूपीएस का विरोध करते हुए शिक्षकों व कर्मचारियों ने कहा कि सरकार एक तरफ जो वृद्धा पेंशन, किसान सम्मान निधि, विधवा पेंशन आदि अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चल रही है। वहीं 30-35 साल सेवा करने वाले गुरुजनों के बुढ़ापे की लाठी रूपी पुरानी पेंशन बहाल न करने में हठधर्मिता कर रही है। पेंशन बहाली संघर्ष समिति के ब्लॉक अध्यक्ष पुरषोत्तम छिकारा ने कहा कि लाखों शिक्षकों और कर्मचारियों की पुरानी पेंशन समाप्त कर बुढ़ापे की लाठी छीन ली गई है। समिति के कोषाध्यक्ष चंद्रकांत जेई ने कहा कि सरकार जैसे एनपीएस और यूपीएस का विकल्प दे रही है, उसी तरह ओपीएस का भी विकल्प देना चाहिए। पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की मांग करते हुए समिति के संयोजक रामानंद, सलाहकार संदीप शास्त्री आदि ने कहा कि शिक्षकों-कर्मचारियों के हित की लड़ाई सफलता मिलने तक जारी रहेगी।

भाजपा प्रभारी ने ली कार्यकर्ताओं की बैठक

बहादुरगढ़ क्षेत्र से जुड़े मुद्दों व जनता की अपेक्षाओं पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। बैठक में पवन खरखौदा का स्वागत करते दिनेश कौशिक व अन्य। फोटो : हरिभूमि

भाजपा ने विधायक पवन खरखौदा को बहादुरगढ़ विधानसभा का प्रभारी बनाया है। उन्होंने जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि के साथ बहादुरगढ़ के भाजपाइयों के साथ बैठक की। बैठक की अध्यक्षता भाजपा प्रत्याशी रहे दिनेश कौशिक ने की। कार्यकर्ताओं ने भी बहादुरगढ़ क्षेत्र से जुड़े मुद्दों और जनता की अपेक्षाओं पर अपने विचार रखे।

विधानसभा प्रभारी पवन खरखौदा और जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि ने कहा कि बहादुरगढ़ के विकास में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। भाजपा संगठन जन-जन तक पहुंचकर बहादुरगढ़ को विकास की नई उंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। दिनेश कौशिक ने बहादुरगढ़ विधानसभा के कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित कर संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। बैठक में नप चेयरपर्सन सरोज राठी, पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल जांगड़ा, बिजेंद्र दलाल, महेश, जिला उपाध्यक्ष जयकिशन छिल्लर, रविंद्र बराही, पंकज जैन, पार्षद राजबाला, अमित कौशिक, अनिल सिंगल, अश्वनी शर्मा, हरिमोहन धाकरे, पवन, कर्मवीर शर्मा, सत्यप्रकाश छिकारा, मंडल अध्यक्ष संजय सैनी, सुदेश रंगा, पंकज गर्ग, एडवोकेट बलबीर, नवीन जून, नरेश भारद्वाज, दिनेश शेखावत, राम अहलावत, संजय जून, बब्लू कानौंदा, सोनू मान, सुरेंद्र भारद्वाज, नरेश रोहिल्ला, संजीव सैनी आदि मौजूद रहे।

सैनी के घर पहुंचे प्रभारी

विधायक पवन खरखौदा संगठनात्मक बैठक के बाद मंडल अध्यक्ष संजय सैनी के निवास पर पहुंचे। भाजपा के जिला सुशासन विभाग प्रमुख रामकंवार सैनी व संजय सैनी ने शाल ओढ़ाकर व पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इस मौके पर आशु सैनी, रमेश आर्य, रंजीत दहिया, दीपक, संदीप, धर्मेंद्र सैनी, रविंद्र राठी व संजीत राठी आदि उपस्थित रहे।

प्रिंट रिच प्रतियोगिता में प्रथम रही पूनम

बहादुरगढ़। शुक्रवार को खंड स्तरीय प्रिंट रिच प्रतियोगिता बीईओ शेर सिंह की अध्यक्षता में हुई। इसमें 14 कलस्टरों के 42 स्कूलों ने भाग लिया।

■ 14 कलस्टरों के 42 स्कूलों ने भाग लिया

प्रत्येक कलस्टर से श्रेष्ट 3 वीडियो मंगवाई गई।

राजकीय प्राइमरी स्कूल भापड़ोदा की प्राइमरी अध्यापिका पूनम ने प्रथम स्थान, राजकीय कन्या प्राथमिक स्कूल आसौदा की प्राइमरी अध्यापिका किरण ने द्वितीय स्थान और राजकीय प्राइमरी स्कूल बामड़ोली की प्राइमरी अध्यापिका मोनिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन्हें मासिक बैठक में सम्मानित किया जाएगा। कक्षा सजावट में केवल रंगीन कागजों की बजाय पाठय सामग्री का उपयोग किया गया।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में संस्कारम् के विद्यार्थियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

झज्जर। माउंट ओलंपस स्कूल गुरूग्राम में आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में संस्कारम इंटरनेशनल स्कूल पटौदा के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया।

■ शिक्षक संदीप व आशीष को दिया श्रेय

प्रतियोगिता में संस्थान के आठ विद्यार्थियों ने भाग हुए लेते अपनी तार्किक क्षमता, आत्मविश्वास एवं प्रभावशाली अभिव्यक्ति से सभी को प्रभावित किया। प्राचार्या श्वेता कौशिक ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच, भाषण-कला, मंच संचालन और तार्किक प्रस्तुति के गुणों को विकसित करती है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय शिक्षक संदीप व आशीष को दिया।

ब्लॉक स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में एसकेजी की टीम विजयी

झज्जर। ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में एसकेजी स्कूल की कबड्डी की टीम विजेता रही। विद्यालय के डीपीई धर्मबीर सिंह ने बताया कि उनके संस्थान की अंडर -19 आयुवर्ग की लड़कों की टीम ने उत्कृष्ट खेल कौशल, टीम भावना और दमदार रणनीति के बलबूते फाइनल मुकाबले में प्रतिद्वंदी टीम को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। एसकेजी शिक्षा समिति भाकली के प्रधान रायसिंह, संचालक श्याम सिंह व प्राचार्य पवन कुमार ने विजेता टीम खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

विद्यार्थियों ने कबड्डी में दिखाया दमखम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। रेडर को रोकने का प्रयास करते दूसरी टीम के खिलाड़ी।

शुक्रवार को ब्लॉक स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ हुआ। लड़कों की वॉलीबॉल, कुश्ती, एथलेटिक्स और कबड्डी स्पर्धाओं में शानदार मुकाबले देखने को मिले। उद्घाटन अवसर पर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी शेर सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें खेलों के प्रति समर्पण के लिए प्रेरित किया। वॉलीबॉल अंडर-19 वर्ग में मॉडल संस्कृति स्कूल बहादुरगढ़ की टीम ने डीपीएस स्कूल को हराकर शानदार जीत दर्ज की। अंडर-17 वर्ग में भी मॉडल संस्कृति स्कूल ने दमदार प्रदर्शन करते हुए डीआरए स्कूल को शिकस्त दी। अंडर 14 कबड्डी में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सोलधा ने बहादुरगढ़ को हराया। वहीं, फाउंडेशन स्कूल ने लुक्सर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय को हराया। डीआरए माजरी स्कूल ने टीआरएच पब्लिक स्कूल को पराजित किया। अंडर-17 में मॉडल संस्कृति स्कूल बहादुरगढ़ ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खरहर को हराया। एमडीएस जसोर खेड़ी ने ऋषिकुल को पराजित किया। इस प्रतियोगिता के विजयी खिलाड़ियों का चयन आगामी जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए किया जाएगा। इस अवसर पर डीपीई शमशेर, सतीश कुमार, मंजीत सिंह, सुनील खत्री, सुनील राणा, विजय छिल्लर, रविंद्र, सुरेश, दिनेश, संजय, जय सिंह, सोनिया, मंजू, देवेंद्र, अंजू, पूनम, गीता, जितेंद्र, बिजेंद्र व नीलम आदि उपस्थित रहे।

एक किलोमीटर दौड़ में तमन्ना और मोहित जीते

■ सराय औरंगाबाद स्थित डॉ. ललित भनोट एथलेटिक एकेडमी में हुई 16वीं रन अगेंस्ट डोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। युवा धावकों को प्रोत्साहित करते प्रदीप राठी, चरण सिंह राठी व अन्य।

खेल प्रशासक डॉ. ललित भनोट के 69वें जन्मदिन पर बहादुरगढ़ के सेक्टर-2 के सामने नशे के विरुद्ध 16वीं रन अगेंस्ट डोप का आयोजन किया गया। इस दौड़ प्रतियोगिता का शुभारंभ समाजसेवी प्रदीप राठी, विख्यात कबड्डी खिलाड़ी प्रदीप नरवाल तथा सरपंच राकेश राठी ने हरी झंडी दिखाकर किया।

सराय औरंगाबाद स्थित डॉ. ललित भनोट एथलेटिक एकेडमी में हुई प्रतियोगिता के दौरान लड़कियों की एक किलोमीटर दौड़ में स्वर्ण पदक तमन्ना, रजत पदक परी तथा कांस्य पदक पनवी ने जीता। लड़कों में स्वर्ण पदक मोहित, रजत पदक दानीश व कांस्य पदक कुलजीत ने जीता। वहीं 800 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में तलीशा तथा रोशन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि 600 मीटर दौड में लड़कियों में मानसी तथा लड़कों में चिराग ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लड़कियों की 400 मीटर दौड़ में काव्य तथा लड़कों में किशनवीर को प्रथम स्थान मिला।

लड़कियों की 200 मीटर दौड़ में सहगुप्ता तथा लड़कों में वंश मलिक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि 100 मीटर दौड़ में नव्या तथा चेतन राठी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। राजकीय स्कूल की मुख्यअध्यापिका अरूणा, शीला, सुमिता, सीमा, गीता व संदीप ने आयोजन में योगदान दिया। भारी बारिश के बावजूद असंख्य बच्चों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। भीम अवार्डी चरण सिंह राठी ने बताया कि सांखोल निवासी प्रदीप राठी व सराय गांव के सरपंच राकेश राठी की अगुवाई में कई दिनों की मेहनत से 400 मीटर ट्रेक तैयार किया गया। इस दौरान सांखोल निवासी अजीत राठी, आर्यन राठी व सक्षम राठी ने भी खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। सरपंच राकेश राठी, सुभाष राठी, रणबीर राठी, दलबीर, डॉ. सुरेंद्र राठी, अतंरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी प्रदीप नरवाल, राजेश फोगाट, संदीप सांगवान, करण राठी, राजकुमार, मनोज काजला ने भी उभरते हुए धावकों को प्रोत्साहित किया। प्रदीप राठी ने नशे के विरूद्ध दौड़ की सराहना करते हुए युवाओं को नशीले पदार्थ से दूर रहने और खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

बरसात में कई स्थानों पर हुआ जलभराव

कई दुपहिया वाहन चालक चोटिल हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

झज्जर। धौड़ चौक से छिक्कारा चौक तक जाने वाले रास्ते पर जलभराव से निकलते हुए वाहन चालक।

■ माता गेट, दिल्ली गेट, सिलानी गेट, भट्टी गेट, पुराना बस अड्डा रोड आदि स्थानों पर भरा पानी

शुक्रवार को हुई तेज बरसात के बाद शहर के विभिन्न हिस्सों में जल भराव की समस्या उत्पन्न हो गई। खासकर, माता गेट, दिल्ली गेट, सिलानी गेट, भट्टी गेट, पुराना बस अड्डा रोड, पुराना बर्फ खाना रोड, छिक्कारा चौक से धौड़ चौक तक जाने वाले मार्ग पर पानी भर गया, जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

तेज बारिश के बाद इन इलाकों में जलभराव की स्थिति ने यातायात को बुरी तरह प्रभावित किया। दुपहिया वाहन चालकों को गहरे पानी से निकलने में अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर पानी इतना गहरा था कि दुपहिया वाहन चालक चोटिल भी हो गए।

ढंग से नहीं हो पाई सफाई

लोगों का कहना कि जिला प्रशासन द्वारा पानी निकासी के लिए नालों की साफ-सफाई तो कराई जा रही है लेकिन नाले के ऊपर से बनाए रैंप के नीचे से सफाई न होने के कारण पानी निकासी नहीं हो पा रही। जिला प्रशासन को चाहिए कि वह लोगों द्वारा नाले पर किए गए अतिक्रमण को हटवाते हुए नालों की उचित प्रकार से साफ-सफाई कराए ताकि लोगों को जलभराव के कारण समस्याओं का सामना नहीं करना पड़े।

बरसाती पानी से नूना माजरा गांव की गलियां बनीं तालाब

■ जलभराव की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीण सड़क पर उतरने को होंगे मजबूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

विधायकों के गांव के नाम से विख्यात नूना माजरा गांव में जलभराव मुख्य समस्या है। सरकार बदली, लेकिन जलभराव की समस्या से मुक्ति नहीं मिल पाई। जलभराव के कारण गांव में अनेक बीमारियां पनप रही हैं। हल्की सी बरसात के बाद ही बाढ़ जैसे हालात बन जाते हैं।

मुख्य गली में जलभराव होने के कारण आने-जाने में लोगों को खासी परेशानी झेलनी पड़ रही है। बीते कुछ दिनों से हो रही बारिश के कारण गांव नूना माजरा की गलियों में जगह-जगह पानी भरा हुआ है। ग्रामीण इस जलभराव से काफी परेशान हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि तमाम शिकायतों के बावजूद जनप्रतिनिधि और ग्राम प्रधान इस समस्या की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। गांव नूना माजरा के ढेला पाना में चौपाल और सरपंच निवास के नजदीक पिछले कई सालों से बारिश के दौरान मुख्य गली तालाब का रूप ले लेती है। बीते कुछ दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश से लोगों का आना-जाना बिल्कुल बंद सा हो गया है। नेताओं से गुहार लगाने के बाद भी ग्रामीणों की समस्या का कोई समाधान नहीं हो पा रहा है। इससे स्थानीय ग्रामीणों में काफी रोष है।

रणवीर सिंह, कृष्ण सिंह, रामहेर साहब, टोनी, रवि, मेहर सिंह, नरेश जून व हरिओम आदि ने बताया कि लोगों का घर से बाहर निकलना भी कठिन हो गया है। इस समस्या को लेकर कई बार वे अधिकारियों से भी मिल चुके हैं, लेकिन जलभराव की समस्या जस की तस बनी हुई है। सरकारी उपेक्षा के कारण ग्रामीणों में अधिकारियों के प्रति रोष बढ़ रहा है। इससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। गांव वासियों का कहना है कि अगर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे सड़क पर उतरने को मजबूर होंगे।